दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 324 | ग्वालियर, शनिवार 02 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

शुभेंदु अधिकारी के बाद उनके भाई सौमेंदु ने थामा बीजेपी का दामन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के बाद उनके भाई सौमेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया. सौमेंदु को कुछ दिन पहले पूर्वी मिदनापुर में कोंताई नगर पालिका के अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था. शुभेंदु अधिकारी ने ही सौमेंदु को बीजेपी में शामिल कराया है. तृणमूल कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए शुभेंदु अधिकारी लगातार ममता बनर्जी पर निशाना साध रहे हैं. शुभेंदु अधिकारी इस बात की लगातार वकालत कर रहे हैं कि बंगाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में सौंपना होगा. उनका कहना था कि जब तक कोलकाता और दिल्ली दोनों में एक ही पार्टी सत्ता में नहीं होगी, तब तक बंगाल आर्थिक रूप से विकसित नहीं होगा. शुभेंदु अधिकारी ने बीजेपी में शामिल होने के बाद कहा था कि टीएमसी में लोकतंत्र नहीं रह गया है. कैलाश विजयवर्गीय और अमित शाह को बाहर का बताया जा रहा है. लेकिन यह जान लीजिए हम पहले भारतीय हैं उसके बाद बंगाली हैं. शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बंगाल को टीएमसी और भ्रष्टाचार से बचाना है. मैं टीएमसी को चेतावनी देना चाहता हूं कि वो जो नहीं चाहते वही होगा. बंगाल में अब बीजेपी की सरकार बनानी होगी. अभी हाल ही में टीएमसी की नेता सुजाता मंडल ने शुभेंदु पर पलटवार किया था. सुजाता मंडल ने कहा था कि अगर बीजेपी नेता असली बाप के बेटे हैं और सही में उन्होंने मां का दूध पिया है तो अभिषेक बनर्जी का नाम लेकर उन पर अटैक करें. सुजाता ने कहा कि शुभेंदु अधिकारी एक सड़क छाप मस्तान हैं जो दूसरे के घरों में बीजेपी होने की बात करते हैं. खुद उनके घर की छत के नीचे उनके माता-पिता, भाई, भाई की पत्नी सभी तृणमूल कांग्रेस के बड़े-बड़े पदों पर आसीन हैं.

सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट पर उठ रहे सवाल, दो साल की देरी से पूरी होगी नए संसद भवन की परियोजना!

नई दिल्ली। नई संसद, नए सचिवालय, नए दफ्तर लेकिन कामकाज का वही पुराना ढर्रा. कोरोना संकट की वजह से सेंट्रल विस्टा यानी नए संसद भवन और सचिवालयों के दस ब्लॉक बनने में भी देरी हो सकती है. केंद्रीय लोक निर्माण विभाग यानी सीपीडब्ल्यूडी के उच्च पदस्थ अधिकारियों के मुताबिक इसका निर्माण पूरा होने की अनुमानित अवधि यानी डेड लाइन अब 2024 नहीं बल्कि 2026 या उससे भी आगे बढ़ सकती है. यानी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव तक यह प्रोजेक्ट पूरा तो नहीं होगा लेकिन धरातल पर नजर आने लगेगा. राजनीतिक प्रचार के लिए उतना भी काफी है. कोरोना वायरस की महामारी के कारण हुए लॉकडाउन का असर इस पर भी पड़ा है. जैसे ही थोड़ी राहत मिली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौरन शुभ घड़ी में इस महत्वाकांक्षी परियोजना का शिलान्यास कर दिया. काम भी धीरे-धीरे शुरू हो रहा है. इस बीच भूमि उपयोग में बदलाव को लेकर कानूनी चुनौतियां भी साथ ही साथ चल रही हैं. सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया है. एक दूसरा मसला जवाहर लाल नेहरू भवन को ध्वस्त करने को लेकर भी है. कई विशेषज्ञों ने इस नए महानिर्माण की वजह से पुरानी धरोहरों पर पड़ने वाले असर से भी चिंतित हैं. लेकिन सरकार का कहना है कि ल्युटियन जोन में आने वाली विरासती इमारतों जैसे संसद, राष्ट्रपति भवन से विजय चौक तक की इमारतों से कोई छेड़छाड़ नहीं होगी. जो भी होगा, वह 1952 के बाद बनी इमारतों के साथ ही होगा. ये तो तय है कि परियोजना के साथ-साथ नई दिल्ली के पावर कॉरिडोर के संग ल्युटियन की दिल्ली में खासकर राजपथ का चेहरा, चाल और मिजाज सब बदल जाएंगे. इसके बाद ये दुनिया के मानचित्र पर एक अलग पहचान के साथ अस्तित्व में आएगा. गौरतलब है कि दिल्ली में अभी तीन काल अवधि के स्थापत्य की झलक दिखती है. मुगल, ब्रिटिश और आधुनिक काल. मुगलों ने कलात्मक लालकिला और अन्य इमारतें बनवाईं.

गाजीपुर बॉर्डर पर प्रदर्शनकारी किसान की मौत

कड़ाके की ठंड से गई जान

गाजीपुर बॉर्डर पर तबीयत खराब होने की वजह से आज एक किसान की मौत हो गई. किसान का नाम गलतान सिंह तोमर बताया जा रहा है. गलतान सिंह तोमर बागपत जिले के मोजिदबाद गांव के रहने वाले थे.

नई दिल्ली। गाजीपुर बॉर्डर पर तबीयत खराब होने की वजह से आज एक किसान की मौत हो गई. किसान का नाम गलतान सिंह तोमर बताया जा रहा है. गलतान सिंह तोमर बागपत जिले के मोजिदबाद गांव के रहने वाले थे. उनकी उम्र 65 से 70 के बीच थी. शुरुआती जांच के मुताबिक ठंड के चलते उनकी मौत हुई है. वह पहले दिन से ही आंदोलन से जुड़े हुए थे. दिल्ली और आसपास के इलाकों में खून जमा देने वाली सर्दी पड़ रही है. दिल्ली में ठंड ने चौदह साल का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है. दिल्ली के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 1.1 डिग्री तक लुढ़क गया.

पहाड़ों पर लगातार जारी बर्फबारी से दिल्ली में तापमान लगातार गिर रहा है. हालांकि दिल्ली को ठंड के साथ-साथ कोहरे की दोहरी मुसीबत का भी सामना करना पड़ रहा है और इसी कड़कड़ती ठंड में किसान अपनी मांगों पर डटे हुए हैं. बहरहाल, किसान आंदोलन का आज 37वां दिन है. सिंघु बॉर्डर पर 80 किसान संगठनों की बैठक हुई. इससे पहले किसान और सरकार के बीच सातवें दौर की बातचीत में पूरा समाधान तो नहीं निकला लेकिन विवाद के दो मुद्दों पर सहमति बन गई. अब पूरे समाधान के लिए चार जनवरी को आठवें दौर की बैठक तय की गई है. इस बीच, दिल्ली बॉर्डर पर किसान टस से मस नहीं हुए हैं. उनका धरना जारी है.

कई किसानों की हो चुकी है मौत

दिल्ली के नाकों पर प्रदर्शन कर रहे अब तक कई किसानों की मौत हो चुकी है. इनमें ज्यादातर मौतें खुले आसमान के नीचे प्रदर्शन कर किसानों की सर्दी के चलते हुई है. 15 दिसंबर को ही सिंघु बॉर्डर पर प्रदर्शन कर रहे एक किसान की मौत हो गई थी. इससे पहले पटियाला जिले के सफेद गांव में एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दिल्ली से धरना देकर लौट रहे दो किसानों की मौत हो गई थी. इस हादसे में कई किसान घायल भी हो गए थे.

सुशांत सिंह राजपुत मौत मामले पर मुंबई पुलिस कमिश्नर बोले-

सीबीआई की जांच रिपोर्ट हमारे से अलग नहीं होगी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपुत मौत मामले की जांच को लेकर मुंबई के पुलिस कमिश्नर ने कहा है कि मुझे यकीन है कि सीबीआई जल्द ही एक निष्कर्ष पर पहुंचेगी जो कि हमारे से अलग नहीं होगा। मुंबई के पुलिस कमिश्नर ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी हमारी जांच को पेशेवर कहा था लेकिन लोग निहित स्वार्थ के लिए हमें बदनाम करने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि अंत में हमारी सही जांच को ही जीत मिली। बता दें कि एक दिन पहले ही 31 दिसंबर को रही सीबीआई ने कहा है कि वह इस मामले की 'गहन और पेशेवर तरीके' से जांच कर रही है। इसके किसी भी पहलू को आज तक खारिज नहीं किया गया है। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा 30 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे गए एक पत्र का जवाब देते हुए सीबीआई ने यह टिप्पणी की। स्वामी ने सुशांत की मौत के मामले में सीबीआई, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा संयुक्त जांच की मांग की थी। सीबीआई ने स्वामी को लिखे अपने पत्र में कहा कि जांच का जिम्मा लेने के बाद सुशांत सिंह राजपूत की अप्राकृतिक मौत से जुड़ी परिस्थितियों को देखने के लिए अनुभवी जांच अधिकारियों की एक टीम गठित की गई है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ जांच दल ने अलीगढ़, फरीदाबाद, हैदराबाद, मुंबई, मानेसर (गुड़गांव) और पटना- सभी स्थानों का दौरा किया।

ईंट-गारे की जरूरत नहीं, खिलौने जैसे जोड़े जाएंगे ब्लॉक

पीएम मोदी ने बताया कैसे होंगे न्यू इंडिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल के पहले दिन 6 शहरों के लिए लाइट हाउस प्रोजेक्ट की शुरुआत की. इस प्रोजेक्ट के तहत देश के 6 शहरों में अगले एक साल में एक-एक हजार घर बनाएंगे जाएंगे. जर्मनी, अमेरिका, फिनलैंड, न्यूजीलैंड जैसे विकसित देशों के तकनीक से बनने वाले ये घर सस्ते, मजबूत भूकंपरोधी तो होंगे ही, इसके बनने में भी कम समय लगेगा. इन घरों के निर्माण खिलौने जैसे ब्लॉक को जोड़कर किया जाएगा, इसे बनाने के लिए दीवार में ईंट गारे का इस्तेमाल भी नहीं होगा.

पहले घर को लेकर भरोसा टूटता जा रहा था–पीएम ने कहा कि उनकी सरकार के 6 साल ने आम जनता में ये विश्वास भर दिया है कि उसके पास

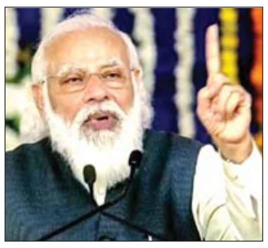

अब अपना घर हो सकता है. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कभी आवासीय प्रोजेक्ट सरकार की प्राथमिकता में शामिल नहीं थे, लेकिन हमने इस कल्चर को बदल दिया. उन्होंने कहा कि पैसे देने के बावजूद पहले खरीदार अपने आशियाने के लिए इंतजार करता रहता था. उसके पास कानूनी ताकत नहीं थी, घर खरीद पर बैंक लोन की दरें ऊंची थी. पीएम मोदी ने कहा कि शहर में रहने वाले गरीब हों या मध्यम वर्ग, इन सबका सबसे बड़ा सपना होता है, अपना घर. वो घर जिसमें उनकी खुशियां, सुख-दुख, बच्चों की परवरिश जुड़ी होती हैं. लेकिन बीते वर्षों में लोगों का अपने घर को लेकर भरोसा टूटता जा रहा था. हमारी सरकार ने इस धारणा को बदल दिया.

365 दिन में बनेंगे 6 हजार मकान

उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, त्रिपुरा, झारखंड, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के सीएम की वर्चुअल मौजूदगी में पीएम मोदी ने इस परियोजना का उद्घाटन किया. प्रोजेक्ट के तहत एमपी के इंदौर, गुजरात के राजकोट, तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई, झारखंड की राजधानी रांची, त्रिपुरा की राजधानी अगरतला और उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अगले साल तक एक-एक हजार घर बनाएंगे. इस तरह से मात्र एक साल में 6 हजार मकान बनाए जा सकेंगे.

ईंट और गारे की दीवारें नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा ये प्रोजेक्ट आधुनिक तकनीक और इनोवेटिव प्रोसेस से बनेगा. इसमें कंस्ट्रक्शन का समय कम होगा और गरीबों के लिए ज्यादा सस्ते और कम्फ़र्टेबल घर तैयार होंगे. इन घरों की खासियत बताते हुए पीएम मोदी ने कहा, इंदौर में जो घर बन रहे हैं उनमें ईंट और गारे की दीवारे नहीं होंगी, बल्कि प्री फेबरिकेटेड सैंडविच पैनल सिस्टम इसमें इस्तेमाल किया जाएगा. राजकोट में बनने वाले घर में टनल के जरिए मोनोलिथिक कंक्रीट का इस्तेमाल होगा, फ्रांस की इस तकनीकी से हमें गति मिलेगी और बनने वाला नया ज्यादा आपदा को झेलने में सक्षम होगा.

उद्धव ठाकरे बोले- मुंबई पुलिस को पिछले साल बदनाम करने की बहुत कोशिश हुई

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मंत्री आदित्य ठाकरे आज यानी 2021 के पहले दिन मुंबई पुलिस मुख्यालय पहुंचे. इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिसकर्मियों और महिलाओं को सम्मानित किया, जिन्होंने अनुकरणीय कार्य किया है. साथ ही सही मालिकों को कीमती धातु लौटाई गई, जो पिछले साल पुलिस द्वारा बरामद की गई थी.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है

सम्पर्क करें

जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश

फोन: 0751-4901403

मो. 7879637585, 8770253710

Website-www.pushpanjalitoday.com

Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

कोरोना पाबंदियों से परेशान थे लोग, विरोध जताने के लिए मेट्रो में करने लगे किस

दिल्ली। कोरोना वायरस के चलते दुनिया के कई हिस्सों में लॉकडाउन जैसे हालात और पब्लिक स्पेस में कई तरह की पाबंदियां देखने को मिली हैं. कई शहरों में लोगों का लॉकडाउन को लेकर सब्र का बांध भी टूटता नजर आ रहा है. ऐसा ही कुछ रूस में देखने को मिला जब कोरोना के चलते लगी पाबंदियों के खिलाफ लोग मेट्रो में किस करने लगे. (फोटो रूस के शहर में चल रही मेट्रो में कई कपल्स ने किस करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया. इन में से कुछ लोगों ने लाइफ वेबसाइट के साथ बातचीत में कहा- हमारा मकसद ना तो किसी की भावनाओं को

आहत करना है और ना ही किसी पब्लिक सर्विस को खराब करना है. दरअसल बहुत सारे म्यूजिशियन्स ऐसे हैं जो कोरोना की इस पाबंदी के खिलाफ बोल रहे हैं. हमारा विरोध इस दकियानूसी पाबंदी के खिलाफ है और हम म्यूजिक इंडस्ट्री को फुल सपोर्ट करते हैं. इस ग्रुप से जुड़े लोगों ने आगे कहा कि सरकार के हिसाब से वायरस का खतरा कॉन्सर्ट्स और रेस्टोरेंट्स में ज्यादा है और इसलिए नाइटक्लब्स और इवनिंग शोज में जाने से लोगों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. वहीं लोग मेट्रो में भीड़-भाड़ में यात्रा कर रहे हैं लेकिन सरकार को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ रहा है जबकि ऐसे मामलों में इंफेक्शन का खतरा ज्यादा है.

भारत में भी बढ़ने लगा कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन का ग्राफ

4 और मरीजों के साथ 29 पर पहुंचा आंकड़ा

> आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 20036 नए मामले सामने आए जिससे संक्रमितों की कुल संख्या एक करोड़ दो लाख 86 हजार से अधिक हो गई है। इसी दौरान 23181 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 98.83 लाख तथा रिकवरी दर बढ़कर 96.08 प्रतिशत हो गयी।

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस के खतरनाक स्ट्रेन दिन पर दिन पैर पसारते जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रार को दी गई जानकारी के मुताबिक भारत में कोरोना वायरस के नए प्रकार के चार और मिले हैं। जिसके बाद देश में इन मरीजों की कुल संख्या 29 पहुंच गई है।

देश में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के करीब 20 हजार नए मामले सामने आए हालांकि राहत की बात यह है कि इस दौरान महामारी को मात देने वालों की संख्या 23 हजार से अधिक रही। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 20036 नए मामले सामने आए जिससे संक्रमितों की कुल संख्या एक करोड़ दो लाख 86 हजार से अधिक हो गई है। इसी दौरान 23181 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 98.83 लाख तथा रिकवरी दर बढ़कर 96.08 प्रतिशत हो गयी। सक्रिय मामले 3402 घटकर 2.54 लाख रह गए और इनकी दर 2.47 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 256 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 148994 हो गया है और मृत्यु दर अभी 1.45 फीसदी है। केरल में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 191 घटकर 65381 हो गए है। वहीं मृतकों की संख्या 3072 तथा कोरोनामुक्त होने वालों का आंकड़ा 6.92 लाख हो गया है। सक्रिय मामलों में केरल अभी पहले स्थान पर है। महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों में 161 की गिरावट आयी है और इनकी संख्या 540945 रह गई है। वहीं 18.28 लाख लोग इस संक्रमण से निजात पा चुके हैं जबकि 58 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 49521 हो गया है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर....

मानव सेवा से 2021 की शुरुआत हुई

अमित शर्मा

ग्वालियर। गौरवशाली सामाजिक संस्था एक प्रयास मानवता की ओर का सदैव से ही उद्देश्य रहा है मानव सेवा आज 2021 नए साल की शुरुआत भी थाटीपुर क्षेत्र में स्लिम बस्तियों में जाकर जो सामर्थ्य अनुसार सामग्री वितरित कर नए वर्ष की बधाई दी। तुलसी विहार क्षेत्र में कई परिवारों को सामर्थ्य अनुसार राशन सामग्री वितरित की गई। संस्था अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा ने बताया कि संस्था के संरक्षक श्री दिनेश शर्मा जी के विशेष सहयोग से एवं संस्था परिवार ने सामर्थ्य अनुसार नए साल की शुरुआत मानव सेवा से प्रारंभ की इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष अधिवक्ता शिल्पा डोगरा, संस्था संरक्षिका श्रीमती रीता डोगरा,संस्था संरक्षक पंडित दिनेश शर्मा, संस्था संरक्षक श्याम श्रीवास्तव, संस्था सचिव वासुदेव मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रमोद नरवरिया, वार्ड अध्यक्ष रानी गौड़, वार्ड अध्यक्ष सुनीता तोमर, सदस्य नीलम कुशवाह के अलावा थाटीपुर क्षेत्र में निवासरत श्रीमती कमलेश राजेंद्र सिंह गुर्जर, नेपाल गुर्जर ने शहर वासियों को नूतन वर्ष की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

श्रीमती सोमा मण्डल ने सेल अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

अमन राय ब्यूरो चीफ

श्रीमती सोमा मण्डल ने आज 01 जनवरी, 2021 को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले वह सेल की निदेशक (वाणिज्यिक) थी। सेल ज्वाइन करने से पहले वह नेशनल एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (नालको) में निदेशक (वाणिज्यिक) के पद पर रहीं। नए साल 2021 के पहले दिन, सेल अध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण करने के बाद, उन्होंने सेल परिवार को संबोधित करते हुए कहा, ÷सेल के पास अपने कार्मिकों के उल्लेखनीय योगदान और नेतृत्व की दशकों की समृद्ध विरासत है। सेल हमेशा राष्ट्र निर्माण में आगे रहा है। ÷हर किसी की ज़िंदगी से जुड़ा हुआ है सेल÷ टैगलाइन में सेल का देश के भरोसेमंद इस्पात उत्पादक के रूप में महत्व बिलकुल साफ तरीके से दिखाई होता है।÷ उन्होंने कहा, ÷सेल एक विशाल संगठन है, जिसमें मल्टी-लोकेशन प्रोडक्शन इकाइयां एवं खदान, प्रोडक्ट बास्केट और विविध वर्कफोर्स हैं। हमारे कार्मिक ही हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं, और इसी सेल टीम के समन्वित प्रयासों के जरिये हम सफलता के उच्च शिखर को हासिल करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने ज़ोर दिया कि, ÷हमारा मौजूदा फोकस कंपनी के कारोबार और मुनाफे को बेहतर बनाना है। हम अपने सभी हितधारकों के लिए गुणवत्ता में सुधार करने और इसे संरचनात्मक रूप से मजबूत बनाने के लिए सभी ज़रूरी रणनीतियों पर काम कर रहे हैं। श्रीमती मण्डल ने सेल में नई विपणन रणनीतियों को लाने और उत्पादों को लांच करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और कंपनी के प्रोडक्ट बास्केट को समृद्ध किया। श्रीमती मण्डल के सक्षम नेतृत्व में, कंपनी ने नेक्स (स्ट्रक्चरल) और सेल सिक्योर (टीएमटी बार) जैसे ब्रांडेड उत्पादों को लॉन्च किया। ये दोनों उत्पाद अपनी-अपनी श्रेणियों में सर्वश्रेष्ठ बनकर उभरे हैं। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला से 1984 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक, श्रीमती मण्डल ने नालको में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के रूप में अपना करियर शुरू किया और वहां निदेशक (वाणिज्यिक) के पद तक पहुंची। वह 2017 में निदेशक (वाणिज्यिक) के रूप में सेल ज्वाइन किया और आज सेल अध्यक्ष का कार्यभार संभाला।

अजीतमलः बाबरपुर फफूंद रोड पर पुलिस ने किया पैदल गस्त

पुष्पांजली टुडे अंकित, अभिषेक दिक्षित

अजीतमलः पुसिल अधीक्षक अपर्णा गौतम के निर्देशानुसार अजीतमल पुलिस बल द्वारा बाबरपुर फफूंद मार्ग पर भारी पुलिस बल के साथ कस्बे की सुरक्षा को देखते हुए गस्त की और लोगो से सीधा संवाद किया और उनको सुरक्षित महसूस कराने के लिए अजीतमल पुलिस सदैव तत्पर हैं ये अस्वाशन दिया

नए वर्ष को लेकर सजा बाजार, खूब बिके गिफ्ट

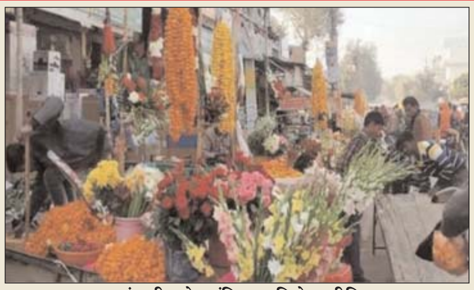

पुष्पांजली टुडे-अंकित,अभिषेक दीक्षित

नए साल की संध्या पर बाजार गुलजार रहे। लोगों को लुभाने के लिए गिफ्ट्स की दुकानों को दुल्हन की तरह सजाया गया। अपने मित्रों व रिश्तेदारों को शुभकामनाएं देने के लिए लोगों ने विभिन्न प्रकार के गिफ्ट खरीदे। देर रात तक दुकानों पर खरीदारों की भीड़ लगी रही। नए वर्ष को लेकर युवाओं में खासा उत्साह रहा। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था। सबसे अधिक भीड़ गिफ्ट की दुकानों पर रही। युवाओं ने अपने मित्रों व अन्य रिश्तेदारों को नववर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए सुंदर व आकर्षक गिफ्ट खरीदे। दुकानदारों ने भी युवाओं की मांग को ध्यान में रखते हुए नए व आकर्षक डिजाइनों में कई प्रकार के गिफ्ट मंगाए थे। दुकानों पर कोई सीनरी पसंद कर रहा था। तो कोई इलेक्ट्रिक लैंप व फोटो फ्रेम खरीद रहा था। किसी ने अपने लाइफ पार्टनर के लिए सोने की अंगूठी खरीदी तो किसी ने कपड़े व अन्य वस्तुएं प्रजेंट किया। प्राकृतिक फूलों से लेकर आर्टिफिशियल फूलों की खूब बिक्री हुई। छोटे बच्चे से लेकर युवा वर्ग के लोग गुलाब का फूल पसंद करते नजर आए। कुछ लोग फूलों का गुलदस्ता भी भेंट करने के लिए खरीद रहे थे। फूल विक्रेताओं ने भी लोगों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दुकानों के आगे का पूरा फुटपाथ फूलों से सजा हुआ नजर आ रहा था।

युवाओं ने की ऑनलाइन खरीदारी-नए दौर में युवाओं की सोच भी बदलने लगी है। जहां कुछ लोग बाजार में खरीदारी करने जाते हैं वहीं अधिकांश युवा वर्ग ऑनलाइन खरीदारी करना अधिक पसंद करते हैं। बीते त्योहारों की तरह नव वर्ष पर भी युवाओं ने गिफ्ट आइटम की खूब खरीदारी की। गलियों में कोरियर एजेंटों की बाइकें घूमती नजर आईं।

समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने बेजुबान जानवरों (कुत्तों) को भरपेट खाना खिलाया

नव वर्ष के शुभ अवसर पर समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने बेजुबान जानवरों (कुत्तों) को भरपेट खाना खिलाया । आज के भागदौड़ भरे समय में बेजुबान बेसहारा आवारा कुत्तों को भरपेट खाना खिलाकर जो पुन्य कार्य समाजसेवी संस्था ने किया वो वाकई काबिलेतारिफ है , जब लोग सिर्फ और सिर्फ अपनी चिंता और अपने लिए जी रहे हो वहीं इन बेसहारा कुत्तों को खाना खिलाना एक बेहद पुण्य कार्य है । इस मौके पर आम जनमानस के बीच समाजसेवी श्री ठाकुर ने कहा यदि आप भूखे कुत्ते को खाना खिलाकर समृद्ध करते है तो आपको कटेगा नहीं बल्कि आपकी रक्षा करेगा आपको मालिक मानेगा , पशु कोई चीज नहीं है बल्कि जीवित जीव है, जो हमारी करुणा, सम्मान, भाव, दोस्ती और समर्थन के योग्य है। व्यक्ति अपना पिछ्ला बीता हुआ कल तो नहीं संवार सकता , व्यक्ति अपने बीते समय में जाकर उसमें बदलाव नहीं कर सकता है पर आज नव वर्ष के शुभारंभ पर एक नई शुरुआत कर सकता है , अपने आने वाले कल को अच्छा बनाने के लिए । कार्यक्रम में उपस्थित जन राम कुशवाहा डॉक्टर बघेल पहलाद कुशवाह हरि सिंह

कुमार विश्वकर्मा मनोज कुमार मोदी केपी मोदी संतोष गौड़ सनी विश्वकर्मा राम सिंह बाथम गोपाल बाथम भगवानदास पुरोहित निर्वेद सविता अंजुल गोस्वामी आदि जन उपस्थित रहे।

बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत परिजनों का थाने पर हंगामा,बस के कांच फोड़े

बैराड़ - नगर में नए साल की सुबह धाकड़ पेट्रोल पंप के पास पोहरी-मोहना रोड़ पर एक सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई.हादसे के बाद युवक के गुस्साए परिजनों ने थाने पर हंगामा कर थाने में खड़ी बस के कांच फोड़ दिए.थाने पर हंगामे की सूचना मिलने पर पोहरी एसडीओपी निरंजन सिंह राजपूत और आसपास के पुलिस थानों का पुलिस बल भी बैराड़ पहुँचा. पुलिस ने समझा-बुझाकर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया. जानकारी मुताबिक कुणाल बेडिया उम्र 19 साल निवासी बैराड़. पोहरी मोहना रोड़ पर स्थित धाकड़ पेट्रोल पंप पर शुक्रवार की सुबह करीब 10 बजे अपनी

मोटरसाइकिल में पेट्रोल भराने जा रहा था. तभी अचानक धाकड़ पेट्रोल पंप के पास पोहरी-मोहना रोड़ पर सामने से तेज गति से आ रही बालाजी कंपनी की यात्री बस से टकरा गया.हादसे में कुणाल बेडिया की मौके पर ही मौत हो गई. टक्कर में मोटरसाइकिल के भी चिथड़े उड़ गए.बालाजी कंपनी की ये यात्री बस ग्वालियर से श्योपुर जा रही थी. राहगीरों से हादसे की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची बैराड़ पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए बैराड़ के सरकारी अस्पताल भेजा. वहीं हादसे के बाद बस चालक मौके पर से फरार हो गया.पुलिस ने बस को जप्त कर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बैराड़ ने मनाया वार्षिक उत्सव बैराड़ जिले के बैराड़ नगर में स्थानीय ठाकुर बाबा ग्राउंड पर राष्ट्रीय स्वयं संघ के स्वयंसेवकों ने ठाकुर बाबा शाखा का वार्षिकोत्सव मनाया गया इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सरसंघचालक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार एवं गुरु जी गोलवलकर गोलवलकर जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया इस अवसर पर बैराड़ खंड के खंड चालक अजय शंकर त्रिपाठी द्वारा अपने बौद्धिक उद्बोधन में उपस्थित स्वयंसेवकों को शाखा के बारे में विस्तार से समझाते हुए बताया कि संघ का कार्यकाल 1925 से शुरू होकर आज 95 वर्ष पूर्ण कर रहा है एवं विश्व का यह सबसे बड़ा हिंदू संगठन है भारत में ही नहीं अपितु विश्व के 39 देशों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक कार्य कर रहे हैं इसका उद्देश्य हिंदू समाज को जोड़ना है एवं हिंदू समाज को एकता में बांधने के उद्देश्य शाखाओं का कार्यक्रम नित्य नियत समय पर किया जाता है शाखा में आने वाले स्वयंसेवक अनुशासन संस्कार समरसता वर्धा ग्रित धार्मिक जागरण जैसे कई कार्य करने की प्रेरणा मिलती है नियमित समय से आने वाले कार्यकर्ता के अंदर स्वावलंबन की भावना बलवती होती है वार्षिक उत्सव के अवसर पर स्वयंसेवकों द्वारा समता योग क्रिया दंड संचालन सूर्य नमस्कार एवं खेलों के प्रयोग नगर के गणमान्य नागरिकों के समक्ष किए गए इस अवसर पर खंड कार्यवाह नागेंद्र शर्मा सरस्वती शिशु मंदिर के प्रधानाचार्य जितेंद्र जी शारीरिक विकास प्रमुख विकास तोमर जी डॉक्टर तुला राम यादव जी बौद्धिक प्रमुख मधुसूदन जी प्रचार प्रमुख सुनील शर्मा जी अंकित शर्मा राजकुमार जी कार्तिक जी कान्हा जी भावेश यादव आदि स्वयंसेवक बंधु उपस्थित रहे।

स्वामी तेजानंद महाराज ने डिप्टी कमिश्नर डॉ दिपा संत्यन का शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया

नारायणलाल सैणचा

चैन्नई। तामीलनाडु पौन ब्रोकेर्स एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन संगठन के प्रदेशाध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंद महाराज द्वारा चेन्नई के अम्बतुर डिप्टी कमिश्नर डॉ. दीपा सत्यनजी आई पीएस का जोधपुर घटना में सहयोग और मदद करने के लिए शॉल ओढाकर सम्मानित किया इस घटना के निराकरण में शामिल सभी पुलिस अधिकारियों और मारवाड के वरिष्ठ महानुभावों को संगठन की तरफ से दिल से धन्यवाद इस लघु कार्यक्रम में माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय के साथ कुन्डरतु क्षैत्रीय प्रभारी नेमाराम परिहार और सोनाराम बर्फा उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी गोरमी मंडल की कार्यकारिणी हुई घोषित

रिपोर्टर संतोष सिंह भदौरिया चंबल संभाग

गोरमी मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक जी की अनुशंसा एवं जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर जी के सहमति एवं वरिष्ठ पार्टियों के नेतृत्व में गोरमी मंडल की कार्यकारिणी घोषित हुई इस कार्यकारिणी में गोरमी मंडल के मीडिया प्रभारी संतोष सिंह भदौरिया को नियुक्त किया गया महामंत्री चेतन सिंह भदोरिया ,निर्मल आर्य को घोषित किया गया गोरमी मंडल के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों व सदस्यों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं साथ में उन पार्टी नेताओं ने जिन्होंने मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा उन सबके लिए धन्यवाद कहा साथ ही संतोष सिंह भदौरिया जी ने कहा कि जो भी पार्टी ने दाईतव सौंपा है पूर्ण रूप से निभाउगा।

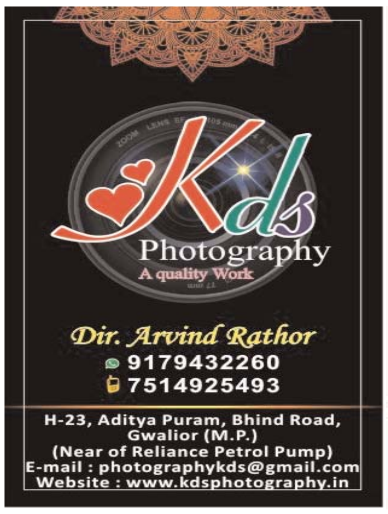

एक नजर....

इंदौर एयरपोर्ट पर विमान के आपातकालीन लैंडिंग सात साल के बच्चे की बिगड़ी तबियत, मौत

मध्यप्रदेश। इंदौर एयरपोर्ट के एटीसी पर जब विमान की इमरजेंसी लैंडिंग का मेसेज आया तो हडकंप मच गया। थोड़ी देर बाद पता चला कि, विमान में सफ़र कर रहे एक सात साल के बच्चे की तबियत अचानक खराब हो गई। विमान में प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे यहां से अस्पताल शिफ्ट किया जा रहा था तभी बच्चे की मौत हो गई। घटनाक्रम के अनुसार, गोरखपुर के दुर्गेश जायसवाल और अनु जायसवाल अपने चार महीने के बेटे देव जायसवाल के साथ इंडिगो की शाम 5.35 बजे की दिल्ली से बंगलुरु, फ्लाइट संख्या 6श्च 2248 से सफ़र कर रहे थे। उड़ान भरने के दौरान तो बच्चे की तबीयत ठीक थी, लेकिन जैसे ही फ्लाइट कुछ देर हवा में रही, उसके बाद बच्चे की तबियत खराब होने लगी। इसके बाद शाम 6 बजे विमान की इंदौर एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई। यहां से उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां से अरबिंदो हॉस्पिटल रैफर कर दिया। यहां पहुंचने से पहले ही रास्ते में ही बच्चे की मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक बच्चे को मस्तिष्क से जुड़ी हाइड्रोसिफेलस नाम की बीमारी थी। बच्चे का बंगलुरु से ही इलाज चल रहा था। उसके पैरेंट्स उसे डॉक्टर को दिखाने ही दिल्ली से बंगलुरु ले जा रहे थे। हालांकि, बच्चे को ड्रॉप करने के बाद 0645 बजे फ्लाइट फिर से रवाना की गयी।

नववर्ष के अवसर पर निराश्रित भवन में बुजुर्गों को वस्त्र भेंट कर लिया आशीर्वाद

भिण्ड /आज नव वर्ष के शुभ अवसर पर भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ भिंड द्वारा, पदाधिकारियों के सहयोग से निराश्रित भवन जाकर पिता एवं मां तुल्य बुजुर्गों को निशुल्क जर्सी और स्वेटर और गर्म टोपे बांटे गए। इस कार्यक्रम में मुख्य रुप से जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला स्काउट कमिश्नर हर भुवन सिंह तोमर, जिला संगठन आयुक्त स्काउट अतिबल सिंह, जिला परियोजना अधिकारी नरेंद्र सिंह तोमर ,सह जिला सचिव अमर सिंह विमल, डी ओ सी गाइड एवं रेंजर लीडर श्रीमती रेखा भदोरिया, ब्लॉक स्काउट प्रभारी रामऔवतार ओझा उपस्थित हुए , कार्यक्रम के सहयोगी के रूप में जिले के रोवर रेंजर स्काउट गाइड ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। निशुल्क गर्म वस्त्र वितरण का कार्यक्रम का संचालन डी ओ सी स्काउट अतिबल सिंह ने किया ,कार्यक्रम के दौरान श्रीमती रेखा भदोरिया ने एक गीत के माध्यम से निराश्रित भवन में उपस्थित बुजुर्गों का मनोबल बढ़ाया, तत्पश्चात नई साल में नए वस्त्रों के साथ नववर्ष 2021 पर शुभकामनाएं दीं। श्री तोमर एवं जिले के सभी पदाधिकारियों और स्काउट गाइड ने अपने हाथों से बुजुर्गों के वस्त्र वितरण भी किए और आशीर्वाद के लिए चरण स्पर्श कर नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

आगरा बवाल में बड़ी कार्रवाई, इंस्पेक्टर और चौकी प्रभारी समेत चार निलंबित, कई सिपाही लाइनहाजिर

आगरा। आगरा में ताजगंज में ट्रैक्टर चालक की मौत के बाद हुए बवाल के बाद एसएसपी बबलू कुमार ने शुक्रवार सुबह बड़ी कार्रवाई की। इंस्पेक्टर ताजगंज के साथ चौकी प्रभारी और दो सिपाहियों को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही पुलिस चौकी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। बवाल करने वाले 11 लोगों को पुलिस ने चिह्नित कर रात में गिरफ्तार कर लिया। अन्य को चिह्नित किया जा रहा है। ताजगंज के करभना निवासी पवन यादव गुरुवार सुबह ट्रैक्टर-ट्राली में बालू लेकर जा रहा था। पुलिसकर्मियों ने रोका। उसके ट्रैक्टर लेकर भागने पर पीछा भी किया। इस दौरान ट्रैक्टर-ट्राली पलटने से पवन की मौत हो गई। इसके बाद गुस्साए ग्रामीणों ने बवाल काटा था। पुलिस टीम पर पथराव किया और तोरा चौकी में आग लगा दी। चौकी के बाहर खड़े वाहनों को भी भीड़ ने फूंक दिया था। करीब एक घंटे तक उपद्रव के बाद पुलिस उन्हें खदेड़ पाई। इस मामले में लखनऊ से कार्रवाई के निर्देश दिए गए। एसएसपी बबलू कुमार ने इंस्पेक्टर ताजगंज नरेंद्र कुमार, चौकी प्रभारी तोरा मनोज पंवार और ट्रैक्टर का पीछा करने वाले सिपाही अजयपाल और मनोज को निलंबित कर दिया। एसएसपी बबलू कुमार ने पुलिस चौकी पर तैनात सभी पुलिसकर्मियों को भी लाइन हाजिर कर दिया। इस मामले में ताजगंज थाने में दो मुकदमे दर्ज किए गए थे। ताजगंज थाने में पहला मुकदमा शांति मांगलिक अस्पताल पर पुलिसकर्मियों से मारपीट और बवाल का दर्ज हुआ इसमें 100 अज्ञात लोग शामिल हैं। वहीं दूसरा मुकदमा तोरा चौकी को फूंकने के मामले में दर्ज किया है। इसमें बलवा, लोक व्यवस्था भंग करना, सरकारी कार्य में बाधा और लूट की धाराएं हैं। मुकदमे में 100 अज्ञात लोग शामिल हैं। एसएसपी बबलू कुमार ने बताया कि बलवा करने वाले लोगों की वीडियो से पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। कानून को हाथ में लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल बवाल करने वाले 11 लोगों को चिह्नित कर रात में गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य की भी गिरफ्तारी की जाएगी।

बंदूक के बल पर युवती का रेप कर बनाया वीडियो

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले में बिलरियागंज थाना क्षेत्र की एक युवती ने गांव के युवक पर तमंचा सटा कर दुष्कर्म करने व वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप लगाया। पीड़िता की तहरीर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि आठ मई को वह घर मे अकेली थी। गांव के एक युवक उसके घर में घुस गया। तमंचा सटा कर खेत में लगाया। उसके साथ दुष्कर्म किया और वीडियो बनाया। उसने धमकी दी की किसी को बताओगी तो तुम्हारे भाई को मार देगे। वीडियो भी सोशल मीडिया पर वारयल कर देगे। जिससे युवती चुप रही। 20 दिन पूर्व युवक ने वीडियो को सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

कोरोना महामारी के बीच

मप्र में सत्ता परिवर्तन के लिए याद किया जाएगा वर्ष 2020

भोपाल। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण के कारण मध्यप्रदेश में भी उपजीं अभूतपूर्व स्थितियों के बीच वर्ष 2020 इस राज्य में पंद्रह माह पुरानी कमलनाथ सरकार के पतन के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शिवराज सिंह चौहान की मुख्यमंत्री के रूप में चौथी बार ताजपोशी समेत अनेक महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा। पंद्रह वर्षों बाद दिसंबर 2018 में सत्ता में आयी कांग्रेस सरकार के लिए वर्ष 2020 की शुरूआत एक तरह से सामान्य रही, लेकिन फरवरी के दूसरे सप्ताह से प्रारंभ हुए राजनैतिक घटनाक्रम कुछ तरह से घटे और लगभग सवा माह में ही इस सरकार का पतन हो गया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ को ज्योतिरादित्य सिंधिया की उपेक्षा और उनके संबंध में दिया गया बयान तो उतर जाएं सड़क पर अंततः भारी पड़ा। कमलनाथ और वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की जोड़ी से नाराज चल रहे सिंधिया ने मार्च माह के दूसरे सप्ताह में भाजपा का विधिवत दामन थाम लिया और उनके समर्थकों समेत लगभग दो दर्जन कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देकर कमलनाथ सरकार को अल्पमत में ला दिया, जिसके चलते 20 मार्च को कमलनाथ को मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देना पड़ा और 23 मार्च को राज्य में एक बार फिर भाजपा सरकार का गठन हुआ और शिवराज सिंह चौहान ने चौथी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इसके पहले प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के रूप में 15 फरवरी को युवा नेता विष्णुदत्त शर्मा की ताजपोशी राकेश सिंह के स्थान पर हुयी और उनके आते ही प्रदेश भाजपा के लिए संयोगवश अनेक प्रसन्नता देने वालीं घटनाएं लगातार घटित हुयीं। इसलिए सार्वजनिक मंचों पर चौहान शर्मा को शुभंकर के रूप में पुकारने लगे। दरअसल सिंधिया ने 11 फरवरी को जब राज्य की अपनी ही दल की कमलनाथ सरकार को चेताते हुए कहा था कि वे आंदोलनरत कर्मचारियों की मांगों पर ध्यान दें, अन्यथा उन्हें सड़क पर उतरना पड़ेगा। इसके बाद मीडिया के सवालों के जवाब में कमलनाथ ने सिंधिया को लक्ष्य कर बयान दे दिया कि तो वे उतर जाएं सड़क पर। इसके बाद सिंधिया के खामोशी के साथ उठाए गए कदमों ने राज्य के सियासी इतिहास में नया इतिहास लिख दिया। तीन मार्च को वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के ट्वीट के बाद नया सियासी ड्रामा राज्य में प्रारंभ हुआ और अंततः 17 दिनों के अंदर ही कमलनाथ सरकार गिर गयी। सिंह ने ट्वीट में आरोप लगाया कि भाजपा नेता कांग्रेस विधायकों को प्रलोभन देकर अपने साथ ले जा रहे हैं। इसके बाद आरोप प्रत्यारोपों का दौर प्रारंभ हुआ और

सिंधिया ने दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के बीच औपचारिक तौर पर इस दल का परचम थाम लिया। इसके बाद लगभग दो दर्जन कांग्रेस विधायकों ने विधायक पद से त्यागपत्र देकर कमलनाथ सरकार के ताबूत में आखिरी कील ठोक दी। इन अभूतपूर्व राजनैतिक घटनाक्रमों के बीच 20 मार्च को मध्यप्रदेश में भी कोरोना ने दस्तक दे दी थी। इस दिन जबलपुर में एक व्यापारी के कोरोना से संक्रमित होने का पहला मामला प्रकाश में आया। इसके बाद कोरोना ने जबलपुर के अलावा भोपाल और इंदौर में भी दस्तक दे दी। मार्च माह के अंतिम सप्ताह में कोरोना संक्रमण इंदौर, भोपाल और जबलपुर के अलावा कुछ अन्य शहरों में भी फैलने लगा और देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद प्रत्येक नागरिक भय और अनिष्ट के साए में रहने को मजबूर हो गए। अनेक फ्रंट लाइनर कोरोना वॉरियर्स के भी संक्रमित होने की खबरें आने लगीं। कुछ पुलिस कर्मचारियों के शहीद होने की घटनाओं ने भी भय के माहौल को और भयानक कर दिया। इसके बाद अप्रैल और मई माह में जहां कोरोना के मामले बढ़ते रहे और इस वजह से अनेक लोगों की जान जाती रहीं, प्रवासी श्रमिकों का देश के विभिन्न हिस्सों से मध्यप्रदेश के रास्ते बिहार, उत्तरप्रदेश और अन्य राज्यों में अपने घर वापसी का क्रम चलता रहा। राज्य के इंदौर, बड़वानी और अन्य राज्यों की सीमाओं पर प्रशासन, गैर सरकारी संगठनों और नागरिकों के प्रयासों से हजारों, लाखों की संख्या में गुजर रहे प्रवासी श्रमिकों को भोजन, पानी, औषधियां और अन्य सामग्री मुहैया कराने के प्रयास युद्ध स्तर पर किए गए। वहीं मुख्यमंत्री चौहान पद संभालते ही 23 मार्च से ही प्रतिदिन कोरोना मामलों की समीक्षा करते आ रहे थे। सरकार और प्रशासन के प्रयासों से कोरोना जांच की संख्या में वृद्धि की जाती रही। कोरोना वॉरियर्स को पीपीई किट और अन्य सामग्री मुहैया करायी गयी। वहीं अस्पतालों में भी कोरोना के इलाज की व्यवस्थाएं बनाने पर सबसे अधिक जोर दिया गया। इन प्रयासों के बीच कोरोना संक्रमण राज्य के सभी 52 जिलों में पहुंच गया और जुलाई अगस्त में कोरोना संक्रमण अपने उच्चतर स्तर पर पहुंच गया। पच्चीस जुलाई को चौहान स्वयं कोरोना संक्रमण का शिकार हो गए और वे दस दिन से अधिक समय तक अस्पताल में भर्ती रहे। हालाकि उन्होंने अस्पताल से ही अपना सरकारी कामकाज जारी रखा। इसके बाद अक्टूबर नवंबर में फिर से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़े और अब तक कुल 2,41,791 व्यक्ति कोरोना संक्रमण का शिकार हो चुके हैं और नौ माह से अधिक के समय में 3606 व्यक्तियों की जान जा चुकी है। हालाकि 2,28,831 व्यक्ति कोरोना संक्रमण को मात देने में सफल भी रहे। वर्तमान में एक्टिव केस 10 हजार से घटकर 9354 पर आ गए हैं। यहां एक और सकारात्मक बात यह रही कि लोगों में कोरोना को लेकर भय कम हो गया है और कोरोना वैक्सीन की खुराक लोगों तक पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां भी पूरी कर ली गयी हैं। राज्य में कोरोना संकटकाल के बीच ही अक्टूबर नवंबर माह में 28 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हुए, जिसमें भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19 सीटों पर विजय हासिल की। कांग्रेस मात्र नौ सीटों पर ही विजय हासिल कर सकी और उसका सत्ता में वापसी की तमन्ना, स्वप्न बनकर ही रह गयी। इन उपचुनावों के बाद राज्य में चौहान के नेतृत्व में भाजपा सरकार और मजबूत होकर उभरी। वहीं मानसून में लगातार बारिश ने अनेक जिलों में बारिश का कहर भी बरपाया, लेकिन सरकार के पुख्ता प्रबंधों के कारण जनहानि नहीं के बराबर हुयी। हालाकि फसलों और संपत्तियों को प्रभावित जिलों में नुकसान अवश्य पहुंचा। कोरोना संकटकाल के बीच ही मास्क कल्चर, सोशल डिस्टेंसिंग और वचुर्अल मीटिंग्स का दौर प्रारंभ हुआ, जो अब एक तरह से सामान्य जीवन का हिस्सा बन गया है। हालाकि वर्ष के अंत तक कोरोना को लेकर स्थितियां काफी हद तक नियंत्रित भी नजर आने लगीं और अब सभी लोग बेसब्री से कोरोना वैक्सीन का इंतजार करते हुए नए साल में नयी उम्मीद लगाए बैठे हैं, ताकि अर्थव्यवस्था और अन्य क्षेत्रों में भी स्थितियां सामान्य हो सकें।

बेटे-बेटियों की जगह कुत्ते के नाम कर दी जायदाद

वसीहत में बनाया प्रॉपर्टी का मालिक

छिंदवाड़ा। कुछ समय पूर्व अक्षय कुमार की फिल्म इन दिनों असल जिंदगी में मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में दोहराई जा रही है। फिल्म का नाम एंटरटेनमेंट है। इसमें कुत्ते का मालिक कुत्ते के नाम अपनी जायदाद करके जाता है। पूरी कहानी इसी तारतम्य के आसपास घूमती है और ऐसी ही बिल्कुल घटना छिंदवाड़ा में सामने आई है।जिसके तहत छिंदवाड़ा के बारीबड़ा गांव के एक किसान ने भी अपनी आधी जायदाद अपने बेटे की जगह अपने कुत्ते के नाम कर दी है। पूरा मामला छिंदवाड़ा के चौरई ब्लॉक के बारी बड़ा गांव का है। यहां रहने वाले 50 वर्षीय किसान ओम वर्मा ने दो शादियां की हैं। पहली शादी से उसकी तीन बेटियां और एक बेटा है। दूसरी शादी से दो बेटियां हैं। ओम वर्मा ने संपत्ति का आधा हिस्सा अपनी दूसरी पत्नी के नाम किया है। बाकी आधा हिस्सा उसने अपने वफादार कुत्ते के नाम किया है । दरअसल किसान अपने कुत्ते से बहुत प्यार करता है और कुत्ता भी किसान की पूरी देखभाल करता है। कुत्ते का नाम जैकी है। किसान अपने बेटे के

व्यवहार से अत्यंत दुःखी है, इसीलिए उसने अपनी वसीयत में बाकायदा लिख दिया है कि कुत्ता उसकी हर समय देखरेख और पूछ-परख करता है, जो भी व्यक्ति उनके मरने के बाद उसके कुत्ते जैकी का ध्यान रखेगा, वही उसके हिस्से की संपत्ति का हकदार होगा। किसान ने अपनी वसीयत में स्पष्ट लिखा है कि उसकी सेवा दूसरी पत्नी चंपा वर्मा और कुत्ता जैकी ही करते हैं। किसान ने बताया है कि वह भी इन्हीं दोनों से सबसे ज्यादा प्यार करता है इसलिए उसकी जायदाद का आधा हिस्सा दूसरी पत्नी और बाकी आधा हिस्सा जैकी को मिलेगा। आगे चलकर जो जैकी का ध्यान रखेगा, वही उसके हिस्से की जायदाद का वारिस होगा।

मेरा एक-एक अंग बेचकर सरकार अपना कर्ज चुका ले, सुसाइट नोट छोड़ किसान ने की खुदकुशी

छतरपुर (मप्र)। बिजली बिल भुगतान न करने पर विभाग द्वारा की गई कुर्की से दुखी होकर आटा चक्की चलाने वाले 35 वर्षीय एक किसान ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना मध्यप्रदेश के छतरपुर से 17 किलोमीटर दूर मातगुवां में बुधवार को हुई। मरने से पहले इस किसान से एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने लिखा है, मेरे मरने के बाद मेरा शरीर शासन को दे दें, ताकि मेरा एक-एक अंग बेच कर सरकार अपना कर्जा चुका ले। मृतक के भाई लोकेन्द्र राजपूत ने बृहस्पतिवार को बताया, मेरे भाई मुनेंद्र राजपूत ने बुधवार दोपहर करीब एक बजे अपने खेत पर लगे आम के पेड़ पर फांसी का फंदा डालकर आत्महत्या कर ली। बिजली बिल साल भर से ना भरने के कारण बिजली विभाग ने कुर्की वारंट जारी कर सोमवार को उसकी चक्की और मोटरसाइकिल जप्त कर लिया।

नए साल के पहले दिन काशी विश्वनाथ के दरबार में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम, गंगा की रेती पर चौपाटी का नजारा

वाराणसी। देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में नए साल के पहले दिन बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने को लोगों का हुजूम उमड़ा हुआ है। नए वर्ष में सूरज की पहली किरण उम्मीदों का उजाला लेकर आए, इस मनोकामना के साथ काशीवासी बाबा की देहरी पर पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में देश के अन्य हिस्सों से भी लोग साल के पहले दिन की शुरुआत बाबा विश्वनाथ के दर्शन से करने पहुंचे हैं। बाबा विश्वनाथ के साथ ही अन्नपूर्णेश्वरी, संकटमोचन और काल भैरव मंदिर में भी लोगों की कतार दिखाई दी। संकटों से मुक्ति और सर्व मंगल की कामना का आशीष मांगने लोग परिवार के साथ पहुंचे। दर्शन पूजन के साथ लोगों ने सैर सपाटा भी खूब किया। शहर के लगभग सभी सड़कें जाम की चपेट में रहीं। पूजा पाठ से खाली होकर लोगों ने गंगा घाट का रुख कर किया। युवाओं ने गंगा उस पार रेती पर मौज मस्ती की। रेती पर मुंबई की चौपाटी जैसा नजारा दिखाई दिया। काफी लोगों ने सारनाथ में नए वर्ष का उत्सव मनाया। बीएचयू स्थित विश्वानाथ मंदिर पर भी लोग पहुंचे। यहां दर्शन पूजन के साथ सैरसपाटा दोनों हुआ। हर साल की तरह नए साल के पहले दिन जाम में भी लोग फंसे रहे। जिस दूरी को तय करने में 30 मिनट लगते थे वहीं शुक्रवार की सुबह दूरी तय करने में एक घंटे का वक्त लगा। इसका साफ कराण नए साल के पहले दिन लोग परिवार के साथ दर्शन पूजन व घूमने के लिए निकले थे। साल के पहले दिन ट्रैफिक पुलिस की ओर से कोई खास व्यवस्था नहीं किए जाने के कारण सुबह होते ही शहर में हर तरफ जाम लग गया। देखते ही देखते जाम की झाम में पूरा शहर फंस गया। काशी विश्वनाथ पहुंचे लोगों के वाहन सड़क किनारे ही लगाने से भी जाम की स्थिति बिगड़ती रही। इससे सड़क पर पैदल चलने के लिए जगह नहीं बची थी। संकटमोचन पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों की लापरवाही के कारण पुलिस चौकी से लेकर लंका-दुर्गाकुंड मार्ग पर भीषण जाम लग गया। जाम की समस्या का इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि संकटमोचन पुलिस चौकी से दुर्गाकुंड की दूरी मोटरसाइकिल से तय करने में करीब डेढ़ घंटे का समय लगा। लोग सड़क के किनारे स्थित दीवारों पर चढ़कर किसी तरह जाम से निकलने की जुगत में लगे रहे।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर कंटेनर में पीछे से घुसी बस, चार की मौत, कई जख्मी

उन्नाव। उन्नाव के औरास थाना क्षेत्र में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे स्थित जमाल नगर गांव के पास गुरुवार देर रात कोहरे के चलते आगे जा रहे कंटेनर में पीछे से सवारियों से भरी बस घुस गई। हादसे में चार की मौत हो गई और 25 से ज्यादा सवारियां जख्मी हो गईं। घायलों को सीएससी पर भर्ती कराया गया। दिल्ली से सवारियां लेकर बस बिहार जा रही थी। कोहरे के चलते लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे पर रात में बस, कंटेनर के पीछे घुस गई। हादसे के समय बस चालक समेत 25 से ज्यादा सवारियां

गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी मिलते ही यूपीडा कर्मियों और पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। घायलों में अछलदा, औरैया के रामपुर गांव निवासी बस ड्राइवर अनिल की मौत हो गई। प्राथमिक इलाज के बाद सीएससी डॉक्टर ने मामूली घायलों को छुट्टी दे दी। पुलिस में दूसरे वाहन की व्यवस्था कर सवारियों को गंतव्य की ओर रवाना किया। हादसे के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर भाग निकला। कंटेनर में अन्य वाहन लदे हुए हैं जिसे पुलिस ने कंटेनर को कब्जे में ले लिया है।

अ.जा.उ.मा.विद्यालय के प्राचार्य देवसिंह यादव का विदाई समारोह सम्पन्न

दबोह(अर्पित गुप्ता)

शिक्षा से बड़ा कोई दान नही एक शिक्षक ही है जो समाज को शिक्षित कर जागृत करने का काम करता है यह बात मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक डॉ. गोविंद सिंह ने अनुसूचित जाति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिद्धपुरा दुर्गापुर में आयोजित प्राचार्य के सेवानिवृत्त के अवसर पर अयोजित कार्यक्रम में कही।यहाँ बता दे कि सेवा निवृत्त कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मप्र शासन के पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक डॉ.गोविंद सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में संस्था अध्यक्ष हरदेव कतरोलिया सम्मानीय अतिथि में श्रीप्रकाश राजपूत,पूर्व प्राचार्य भरतशरण तिवारी मौजूद रहे।कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री एवं लहार विधायक ने कहा कि विदाई समारोह कोई खुशी का समारोह कोई खुशी का समारोह नही होता है प्राचार्य देवसिंह यादव पर बोलते हुए कहा कि यादव मूलतः उत्तरप्रदेश के निवासी है इन्होंने शिक्षा के लिए अपना घर परिवार छोड़कर भीहड़ में बसे आपके ग्राम सिद्धपुरा में शिक्षण संस्था डाली जिससे आपके बच्चे शिक्षित हो कर सभ्य समाज की स्थापना करें आगे चलकर इनकी मेहनत रंग लाई और इन्होंने आपके गाँव के अलावा क्षेत्र में करीबन एक दर्जन शिक्षण संस्थाएं खोल दी है जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्र कई शिक्षित बेरोजगारों को रोजगार मिला साथ ही क्षेत्र में कई परिवारो को शिक्षा के साथ-साथ भरण-पोषण का साधन भी मिल गया।इसी बीच उन्होंने अपने राजनैतिक खट्टे-मीठे अनुभवो पर भी प्रकाश डाला

शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं: डॉ.गोविंद सिंह

इसके पश्चात संस्था के प्राचार्य देव सिंह ने कहा कि मैं यहाँ नौकरी की तलाश में आया था नौकरी न मिलने पर मेरे गुरु ने मुझे सुझाव दिया कि यहा शिक्षा का स्तर गिरा हुआ है आप एक विधालय खोल कर यहा के बच्चों को शिक्षा प्रदान करे मैने उनकी बातों का अनुसरण करते हुऐ शिक्षा क्षेत्र की कई संस्थाए डाल दी साथ ही उन्होंने अपने शिक्षकों को समझाइश देते हुए कहा अब यह विद्यालय को आप लोगो को देखना मेरा जितना काम था उतना मैने किया अब इस शिक्षा रूपी वृक्ष को संभालना आप लोगो दायित्व है इस बीच उन्होंने कहा कि आज में सेवा निवृत्त हो रहा हूं तो इसका मतलब यह नही कि मैने शिक्षा जगत का सारा कार्य छोड़ दिया है यदि आपको संस्था को संभालने में मेरी जरूरत पड़े तो समय-समय पर मै आपको इस वट वृक्ष को सींचने के बारे में बताता रहूँगा।इस दौरान प्राचार्य देव सिंह यादव की आंखे नम हुई और उन्होंने भावुक हो कर कहा मेरे कार्यकाल में विद्यालय के किसी भी कर्मचारी को मेरे अनुशासित नियमो से कोई ठेस पहुँची हो तो मै आज क्षमा प्रार्थी हूँ।इसके पूर्व विद्यालय के स्टाफ के द्वारा मुख्यअतिथि एवं विशिष्ट अतिथि का माल्यापर्ण कर स्वागत किया गया वही डॉ.गोविंद सिंह,विद्यालय परिवार के समस्त स्टाफ एवं क्षेत्र के अन्य कई विद्यालयों के समस्त स्टाफ व शिक्षकों ने पुष्पमाला पहनाकर तरह-तरह के स्मृतिचिन्ह एवं उपहार भेंट कर प्राचाय यादव को भावभीनी विदाई दी।इस अवसर पर संस्था के प्रभारी प्राचार्य रामप्रकाश खेमरिया, रामबिहारी समाधिया व समस्त क्षेत्रीय शिक्षक मौजूद रहे।

सम्पादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर नजर

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नैतिकता सुनिश्चित करने की किसी भी कोशिश का स्वागत और अनुकरण होना चाहिए। पिछले दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन हुआ है, जिसमें नैतिकता की दृष्टि से एक उदाहरण स्थापित करने की कोशिश हुई है। न्यूरल इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग सिस्टम्स के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति देने वालों को अपने शोध से संबंधित यह जानकारी भी देनी थी कि उनका शोध कैसे समाज को प्रभावित करेगा। शोधकर्ताओं से यह भी पूछा गया कि क्या उनके शोध से समाज पर किसी नकारात्मक असर की आशंका है? यह एक बड़ी उपयोगी पहल है, जिसके लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं। नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, आयोजकों ने नैतिक चिंताओं से संबंधित दस्तावेजों की जांच के लिए समीक्षकों का पैनल भी गठित किया है। इसके पीछे कोशिश है कि किसी भी ऐसे शोध को हतोत्साहित किया जाए, जिसका नकारात्मक इस्तेमाल मुमकिन हो। एआई विशेषज्ञ कनाडावासी जैक पॉल्सन कहते हैं कि लोगों को इस विषय पर सोचना चाहिए, क्योंकि आज इसका बहुत महत्व है। यह जरूरी है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई के क्षेत्र में शोध की एक सकारात्मक संस्कृति विकसित हो। अच्छे उत्पादों या अच्छी सेवाओं का विकास हो। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी एआई उत्पाद का दुरुपयोग न हो सके। तकनीक या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विगत वर्षों में नैतिकता संबंधी विवाद भी बढ़े हैं और चिंताएं भी। हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि एआई की वजह से बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी भी हो रही है और लोग शोषण के भी शिकार हो रहे हैं। सुविधा बढ़ाने की आड़ में ऐसी प्रौद्योगिकी का भी विकास किया जा रहा है, ताकि जल्दी से जल्दी लोगों के अर्ध-ज्ञान या अज्ञान का फायदा उठाकर कमाई की जा सके। इस क्षेत्र में तरक्की बहुत तेज है और दुनिया में पुलिस व्यवस्था इतनी कुशल नहीं है कि उच्च प्रौद्योगिकी के जरिए किए गए अपराधों को तत्काल पकड़ा जा सके। कई अपराध तो ऐसे भी हैं, जो विकसित देशों की पुलिस की पकड़ से भी बाहर हैं। ज्यादा चिंता प्रौद्योगिकी के उन उत्पादों या सेवाओं को लेकर है, जिनके जरिए आम लोगों को सीधे-सीधे छला जा रहा है। ऐसे में, यदि स्वयं वैज्ञानिक या शोधकर्ता ही सचेत हो जाएं, तो समस्याएं अपने आप सुलझ जाएंगी। लंदनवासी एआई विशेषज्ञ ईसन गैब्रियल कहते हैं, पहले 'टेक्नो आशावाद' का दौर था, लेकिन हाल के वर्षों में परिदृश्य बदल गया है। इसलिए नैतिकता सुनिश्चित करने की कोशिश करता यह उपयोगी सम्मेलन हर लिहाज से प्रशंसनीय है। सम्मेलन में 9,467 शोध पत्र रखे गए, जिनमें से चार शोध पत्रों को नैतिकता के आधार पर सीधे खारिज कर दिया गया। यह पूरी कवायद अच्छे भविष्य का संकेत है। इस सम्मेलन में उन प्रस्तुतियों पर भी आपत्ति की गई है, जिनमें लोगों के व्यक्तिगत डाटा, फोटो इत्यादि का उपयोग बिना मंजूरी किया गया था। भारत में भी डाटा दुरुपयोग पिछले दिनों बहुत बढ़ गया है। चूंकि भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया के टॉप 20 देशों में गिना जाता है, और एआई शोध में तीसरे स्थान पर है, इसलिए यहां नैतिकता सुनिश्चित करने के प्रयास स्थानीय स्तर पर भी बहुत जरूरी हैं।

शुभ हो, मुबारक हो नया साल आपको

ऐलान नया हो कोई, उद्घोष नया हो
जज्बे भी नये हों और जोश नया हो
हों राग नये से सभी , तान हो नई
हौंसले बुलंद हों, उड़ान हो नई
मिल जाए नयेपन की एक मिसाल आपको
शुभ हो, मुबारक हो नया साल आपको
धरती से मिले धैर्य और अंबर से ऊंचाई
पश्चिम से पूर्व तक दे खुशियां ही दिखाई
उपहार हर जगह से सदा खास ही मिले
उत्तर से भी दक्षिण से भी उल्लास ही मिले
चारों दिशा से कर जाए निहाल आपको
शुभ हो, मुबारक हो नया साल आपको
व्यवहारकुशल हों सदा, गुण के धनी रहें
चेहरे की मुस्कान ये सदा बनी रहे
हर रोज और बड़ा हो ये नाम आपका
दुनिया के दिल पे राज करे काम आपका
किसी चीज का भी न रहे मलाल आपको
शुभ हो, मुबारक हो नया साल आपको

विक्रम कुमार
मनोरा, वैशाली

क्या हमारी संस्कृति में यही है नववर्ष की प्रासंगिकता

इस नववर्ष का स्वागत केवल मानव ही नहीं पूरी प्रकृति कर रही होती है। ॠतुराज वसन्त प्रकृति को अपनी आगोश में ले चुके होते हैं, पेड़ों की टहनियाँ नई पत्तियों के साथ इठला रही होती हैं, पौधे फूलों से लदे इतरा रहे होते हैं, खेत सरसों के पीले फूलों की चादर से ढके होते हैं, कोयल की कूक वातावरण में रस घोल रही होती है, मानो दुल्हन सी सजी धरती पर कोयल की मधुर वाणी शहनाई सा रस घोल कर नवरात्रि में माँ के धरती पर आगमन की प्रतीक्षा कर रही हो। नववर्ष का आरंभ माँ के आशीर्वाद के साथ होता है। पृथ्वी के नए सफर की शुरूआत के इस पर्व को मनाने और आशीर्वाद देने स्वयं माँ पूरे नौ दिन तक धरती पर आती हैं। पेड़ अपनी जड़ों को स्वयं नहीं काटता, पतंग अपनी डोर को खुद नहीं काटती, लेकिन मनुष्य आज आधुनिकता की दौड़ में अपनी जड़ें और अपनी डोर दोनों काटता जा रहा है। काश वो समझ पाता कि पेड़ तभी तक आज़ादी से मिट्टी में खड़ा है जब तक वो अपनी जड़ों से जुड़ा है और पतंग भी तभी तक आसमान में उड़ने के लिए आजाद है जब तक वो अपनी डोर से बंधी है। आज पाश्चात्य सभ्यता का अनुसरण करते हुए जाने अनजाने हम अपनी संस्कृति की जड़ों और परम्पराओं की डोर को काट कर किस दिशा में जा रहे हैं? ये प्रश्न आज कितना प्रासंगिक लग रहा है जब हमारे समाज में महज तारीख़ बदलने की एक प्रक्रिया को नववर्ष के रूप में मनाने की होड़ लगी हो। जब हमारे संस्कृति में हर शुभ कार्य का आरम्भ मन्दिर या फिर घर में ही ईश्वर की उपासना एवं माता पिता के आशीर्वाद से करने का संस्कार हो, उस समाज में कथित नववर्ष माता पिता को घर में छोड़, होटलों में शराब के नशे में डूब कर मनाने की परम्परा चल निकली हो। जहाँ की संस्कृति में एक साधारण दिन की शुरुआत भी ब्रह्ममुहूर्त में सूर्योदय के दर्शन और सूर्य नमस्कार के साथ करने की परंपरा हो वहाँ का समाज कथित नए साल के पहले सूर्योदय के स्वागत की बजाय जाते साल के डूबते सूरज को बिदाई देने में डूबना पसंद कर रहा हो। यह तो आधुनिक विज्ञान भी सिद्ध कर चुका है कि पृथ्वी जब अपनी धुरी पर घूमती है तो यह समय 24 घंटे का होता है जिससे दिन और रात होते हैं, एक नए दिन का उदय होता है और तारीख़ बदलती है। जबकि पृथ्वी जब सूर्य का एक चक्र पूर्ण कर लेती है तो यह

समय 365 दिन का होता है और इस काल खण्ड को हम एक वर्ष कहते हैं। यानी नव वर्ष का आगमन वैज्ञानिक तौर पर पृथ्वी की सूर्य की एक परिक्रमा पूर्ण कर नई परिक्रमा के आरंभ के साथ होता है। वो परिक्रमा जिसमें ॠतुओं का एक चक्र भी पूर्ण होता है। सम्पूर्ण भारत में नववर्ष इसी चक्र के पूर्ण होने पर विभिन्न नामों से मनाया जाता है। कर्नाटक में युगादि, तेलुगु क्षेत्रों में उगादि, महाराष्ट्र में गुड़ी पड़वा, सिंधी समाज में चैती चांद, मणिपुर में सजिबु नोंगमा, नाम कोई भी हो तिथि एक ही है चैत्र मास की शुक्ल प्रतिपदा, हिन्दू पंचांग के अनुसार सृष्टि की उत्पत्ति का दिन, नव वर्ष का पहला दिन, नवरात्रि का पहला दिन। लेकिन इस सबको अनदेखा करके जब हमारा समाज 31 दिसंबर की रात मांस और मदिरा के साथ जश्न में डूबता है और 1 जनवरी को नववर्ष समझने की भूल करता है तो आश्चर्य भी और दुख भी होता है। क्योंकि आज भी हर भारतीय चाहे गरीब हो या अमीर, पढ़ा लिखा हो या अनपढ़ छोटे से छोटे और बड़े से बड़े काम के लिए शुभ मुहूर्त का इंतजार करता है। चाहे नई दुकान का उद्घाटन हो, गृहप्रवेश हो, विवाह हो, बच्चे का नामकरण हो, किसी नेता का शपथ ग्रहण हो, हर कार्य के लिए शुभ घड़ी की प्रतीक्षा की जाती है। क्या होती है यह शुभ घड़ी ? अगर हम हिन्दू पंचांग के नववर्ष की बजाय पश्चिमी सभ्यता के नववर्ष को स्वीकार करते हैं तो फिर वर्ष के बाकी दिन हम पंचांग क्यों देखते हैं? जब पूरे साल हम शुभ अशुभ मुहूर्त के लिए पंचांग खंगालते हुए उसके ÷पूर्णतः वैज्ञानिक÷ होने का दावा करते हैं तो फिर नववर्ष के लिए हम उसी पंचांग को अनदेखा कर पश्चिम की ओर क्यों ताकते हैं? यह हमारी अज्ञानता है, कमजोरी है, हीन भावना है या फिर स्वार्थ है? उत्तर तो स्वयं हमें ही तलाशना होगा। क्योंकि बात अंग्रेजी नववर्ष के विरोध या समर्थन की नहीं है, बात है प्रमाणिकता की। हिन्दू संस्कृति में हर त्यौहारों की संस्कृति है जहाँ हर दिन एक त्यौहार है जिसका वैज्ञानिक आधार पंचांग में दिया है। लेकिन जब पश्चिमी संस्कृति की बात आती है तो वहाँ नववर्ष का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। इसके बावजूद जब हम पश्चिम सभ्यता का अनुसरण करते हैं तो कमी कहीं न कहीं हमारी ही है जो हम अपने विज्ञान पर गर्व करके उसका पालन करने के बजाय उसका अपमान करने में शर्म भी महसूस नहीं कर रहे। अपने देश के प्रति, उसकी संस्कृति के प्रति और भावी पीढ़ियों के प्रति हम सभी के कुछ कर्तव्य हैं। आखिर एक व्यक्ति के रूप में हम समाज को और माता पिता के रूप में अपने बच्चों के सामने अपने आचरण से एक उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। समय आ गया है कि अंग्रेजी नववर्ष की अवैज्ञानिकता और भारतीय नववर्ष की वैज्ञानिक सोच को न केवल समझें बल्कि अपने जीवन में अपना कर अपनी भावी पीढ़ियों को भी इसे अपनाने के लिए प्रेरित करें।

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
युवा लेखक/साहित्यकार/स्तंभकार
पोस्ट - गोमती नगर
जनपद - लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

नकली कोरोना वैक्सीन की बिक्री,विज्ञापन रोकने, केंद्र को दिशानिर्देश देने की मांग- सुप्रीम कोर्ट में याचिका

केंद्र व राज्य सरकारों को नागरिकों को शिक्षित करने जागरूकता अभियान चलाना जरूरी-एड किशन भावनानी

गोंदिया- वैश्विक महामारी कोविड-19 ने एक तरह से पूरे विश्व को अपनी चपेट में लेकर जीवन चक्र को थाम दिया है, दूसरी तरफ इस समस्या का अनाधिकृत रूप से कुछ वर्ग फायदा उठाने के लिए संगठित होकर तत्पर दिखाई दे रहा है, जिसका प्रमाण हम इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर देख रहे हैं। अप्रत्यक्ष रूप से कोविड-19 के इलाज में सहायक और फायदा पहुंचाने के लिए अनेक तथाकथित कंपनियां, संगठन,ऑनलाइन एप्स, अपनी कुछ दवाओं को सटीक इलाज के नाम पर बाजार में उतार रही है।प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से,पर मोटी रकम चार्ज कर इस संबंध में भ्रम फैलाया जा रहा है। हो सकता है प्रशासन को इसकी जानकारी ना हो परंतु इस संबंध में सबसे बड़ा काम जनता को जागृत करना है, क्योंकि इस संबंध में जब तक जनता जागृत नहीं होगी,तब तक इस महामारी की दवाई के नाम पर,यह सब कुछ यूं ही चलता ही रहेगा।जरूरत है तो केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों को इस संबंध में शिक्षित करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि जनता को भ्रमित करने वाली इन दवाइयों से जनता को सतर्क किया जा सके। वैसे हम सब नागरिकों का भी कर्तव्य है कि इस दिशा में भ्रमित करने वालों पर नजर रखें,या समीपस्थ पुलिस स्टेशन, स्वास्थ्य अधिकारी, या जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों को इस संबंध में सूचित करें। इसी क्रम में मंगलवार दिनांक 29 दिसंबर 2020 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के एक अधिवक्ता द्वारा एक सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका(सिविल) क्रमांक -/ 2020 13 पृष्ठों में दाखिल की गई है।विशाल तिवारी बनाम सचिव गृह मंत्रालय भारत सरकार तथा सचिव स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार है। लाइव लॉ तथा जनहित याचिका कॉपी के अनुसार कोविड-19 की नकली दवाई और नकली टीका की बिक्री को रोकने के लिए केंद्र सरकार को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत सख्त दिशा-निर्देश देने की मांग करचे गुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में संगठनों, कंपनियों या ऑनलाइन एप्स द्वारा इस तरह की बिक्री और विज्ञापन को रोकने के लिए एक विशेष समिति के गठन की मांग की गई है। साथ ही केंद्र को निर्देश देने की भी माँग की गई वह नकली टीकाकरण के खतरे के खिलाफ नागरिकों को शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए। एडवोकेट विशाल तिवारी द्वारा दायर की गई इस याचिका में 2 दिसंबर, 2020 को इंटरपोल द्वारा जारी किए गए ऑरेंज नोटिस का उल्लेख किया गया है, जिसमें विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से भारत सहित सभी 194 सदस्य देशों को नकली कोरोना वैक्सीन को बनाने और उसके सप्लाई के बारे में चेतावनी दी गई है। यह कहा गया है कि यह वैश्विक चेतावनी इसलिए जारी की गई है ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियां खुद को वैक्सीन से जुड़ी सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए खुद को तैयार कर सकें क्योंकि ये नेटवर्क आम जनता को लिए नकली इलाज के संबंध में अपना निशाना बना रहे हैं, जो उनके जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा कर सकते हैं। याचिका में कहा गया है, केंद्र और राज्यों की हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तुरंत और प्रभावी रूप से तैयार करना होगा। साथ ही कानून के तहत किसी भी आपराधिक संगठन को रोकने और उसके प्रचार को रोकने के लिए एक अलग कानून की आवश्यकता है। यह मुद्दा सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ नागरिकों के जीवन से जुड़ा है। यह देखते हुए कि आपराधिक गतिविधि फिजिकल और साथ ही ऑनलाइन माध्यम से की जा सकती है। आम जनता के भय और अनिश्चितता की स्थिति के कारण आसानी से इसकी ओर आकर्षित होने की संभावना होगी, जो महामारी द्वारा बनाई गई है, उस पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल और सख्त दिशा निर्देश दिए जाएं। अतः उपरोक्त पूरे विवरण का अगर हम अध्यन करें तो हम यह महसूस करेंगे कि केंद्र व राज्य सरकारों को नागरिकों को शिक्षित करने जागरूकता अभियान चलाना जरूरी हैं जिससे जनता इस सम्बन्ध में सतर्क रहेंगी।

- कर विषेशज्ञ एड किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

संजीवनी

नव वर्ष की बधाई
एवं शुभकामनायें ।।
सबके हिस्से की
कड़वाहट,
निराशाए ले जा,
बीता वर्ष ।।
बच्चों की मुस्कान,
खिलखिलाहट,
आल्हाद दे जा नया
वर्ष ।।
पुराने नफे-नुकसान की कर ले
गणना,और ले जा गर्भ में इतिहास के,
भविष्य का चमचमाता सूर्य,
हमारी संभावनाओं के लिए दे जा, नया वर्ष।।
हिस्से का तमाम तमस ले जा, छुपा दे दरिया में।
नई रोशनी का नव समंदर,
पिरो दे नयी क्रांति में, नया वर्ष।।
माना जिंदगी का हर दिन,
एक दिन की पुनरावृत्ति ही है,
हर रोज एक नई सुबह,
एक नई शाम दे जा नया वर्ष ।।
ले जा तमाम व्याधियों को,
सारी घटना दुर्घटनाओं को ।।
और देजा नन्हों की मासूमियत, प्रकृती के,
नये रूप को नया रंग दे जा नया वर्ष।
शब्द वही सृंगार वही,
बात वहि अल्फाज वहीँ।।
इस बार नया रूप,नई सज्जा,
नया रंग कविताओं को दे जा नया वर्ष।।
कैसे भूले बिता पल सुखद होता है,
कड़वा हो या मीठा।
ऐतिहासिक बना देना तुम,
आने वाले कल को नया वर्ष।।
संजीव ठाकुर,रायपुर।9009415415

नकली कोरोना वैक्सीन की बिक्री, विज्ञापन रोकने केंद्र को दिशानिर्देश देने की मांग- सुप्रीम कोर्ट में याचिका

गोंदिया- वैश्विक महामारी कोविड-19 ने एक तरह से पूरे विश्व को अपनी चपेट में लेकर जीवन चक्र को थाम दिया है, दूसरी तरफ इस समस्या का अनाधिकृत रूप से कुछ वर्ग फायदा उठाने के लिए संगठित होकर तत्पर दिखाई दे रहा है, जिसका प्रमाण हम इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर देख रहे हैं। अप्रत्यक्ष रूप से कोविड-19 के इलाज में सहायक और फायदा पहुंचाने के लिए अनेक तथाकथित कंपनियां, संगठन,ऑनलाइन एप्स, अपनी कुछ दवाओं को सटीक इलाज के नाम पर बाजार में उतार रही है।प्रत्यक्ष रूप से या अप्रत्यक्ष रूप से,पर मोटी रकम चार्ज कर इस संबंध में भ्रम फैलाया जा रहा है। हो सकता है प्रशासन को इसकी जानकारी ना हो परंतु इस संबंध में सबसे बड़ा काम जनता को जागृत करना है, क्योंकि इस संबंध में जब तक जनता जागृत नहीं होगी,तब तक इस महामारी की दवाई के नाम पर,यह सब कुछ यूं ही चलता ही रहेगा।जरूरत है तो केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा नागरिकों को इस संबंध में शिक्षित करने के लिए एक जागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि जनता को भ्रमित करने वाली इन दवाइयों से जनता को सतर्क किया जा सके। वैसे हम सब नागरिकों का भी कर्तव्य है कि इस दिशा में भ्रमित करने वालों पर नजर रखें,या समीपस्थ पुलिस स्टेशन, स्वास्थ्य अधिकारी, या जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों को इस संबंध में सूचित करें। इसी क्रम में मंगलवार दिनांक 29 दिसंबर 2020 को माननीय सुप्रीम कोर्ट के एक अधिवक्ता द्वारा एक सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका(सिविल) क्रमांक-/ 2020 13 पृष्ठों में दाखिल की गई है।विशाल तिवारी बनाम सचिव गृह मंत्रालय भारत सरकार तथा सचिव स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार है। लाइव लॉ तथा जनहित याचिका कॉपी के अनुसार कोविड-19 की नकली दवाई और नकली टीका की बिक्री को रोकने के लिए केंद्र सरकार को आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत सख्त दिशा-निर्देश देने की मांग करचे गुए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में संगठनों, कंपनियों या ऑनलाइन एप्स द्वारा इस तरह की बिक्री और विज्ञापन को रोकने के लिए एक विशेष समिति के गठन की मांग की गई है। साथ ही केंद्र को निर्देश देने की भी माँग की गई वह नकली टीकाकरण के खतरे के खिलाफ नागरिकों को शिक्षित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाए। एडवोकेट विशाल तिवारी द्वारा दायर की गई इस याचिका में 2 दिसंबर, 2020 को इंटरपोल द्वारा जारी किए गए ऑरेंज नोटिस का उल्लेख किया गया है, जिसमें विभिन्न वेबसाइटों के माध्यम से भारत सहित सभी 194 सदस्य देशों को नकली कोरोना वैक्सीन को बनाने और उसके सप्लाई के बारे में चेतावनी दी गई है। यह कहा गया है कि यह वैश्विक चेतावनी इसलिए जारी की गई है ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियां खुद को वैक्सीन से जुड़ी सभी प्रकार की आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए खुद को तैयार कर सकें क्योंकि ये नेटवर्क आम जनता को लिए नकली इलाज के संबंध में अपना निशाना बना रहे हैं, जो उनके जीवन के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा कर सकते हैं। याचिका में कहा गया है, केंद्र और राज्यों की हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तुरंत और प्रभावी रूप से तैयार करना होगा। साथ ही कानून के तहत किसी भी आपराधिक संगठन को रोकने और उसके प्रचार को रोकने के लिए एक अलग कानून की आवश्यकता है। यह मुद्दा सार्वजनिक स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ नागरिकों के जीवन से जुड़ा है। यह देखते हुए कि आपराधिक गतिविधि फिजिकल और साथ ही ऑनलाइन माध्यम से की जा सकती है। आम जनता के भय और अनिश्चितता की स्थिति के कारण आसानी से इसकी ओर आकर्षित होने की संभावना होगी, जो महामारी द्वारा बनाई गई है, उस पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल और सख्त दिशा निर्देश दिए जाएं। अतः उपरोक्त पूरे विवरण का अगर हम अध्यन करें तो हम यह महसूस करेंगे कि केंद्र व राज्य सरकारों को नागरिकों को शिक्षित करने जागरूकता अभियान चलाना जरूरी हैं जिससे जनता इस सम्बन्ध में सतर्क रहेंगी।

कर विषेशज्ञ एड किशन भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

एक और नया वर्ष पुराना हो गया

एक और नया वर्ष
पुराना हो गया
खुशियों का जो रंग था
बेगाना हो गया
दुःखों की जो बदरी थी
छंटते-छंटते रह गई
मन में जो अरमान जगे थे
फिर से अधूरे रह गए
अभिलाषा का नया घरौंदा
फिर से ढह गया
एक और नया वर्ष
पुराना हो गया..।।
सबने मिलकर
ख़्वाब बुने थे
नूतन वर्ष मनाएंगे
जीवन के जो
रिक्त पृष्ठ हैं
रंगों से उसे सजाएंगे
पर ख़्वाब अनूठे रंगो का
अधूरा रह गया
एक और नया वर्ष
पुराना हो गया..।।
नये वर्ष में फिर से
नये ख़्वाब बुने जाएंगे
वही अधूरी अभिलाषा के
नाम लिए जाएंगे
वही पुरानी दिनचर्या में
अपना कौन पराया है

फिर से नई उमंगे लेकर
नया वर्ष ये आया है
नया वर्ष ये आया है..।।

विजय कनौजिया
विजय कनौजिया
ग्राम व पत्रालय-काही
जनपद-अम्बेडकर नगर
(उ0 प्र0)

रोजगार के लिए संवेदनशील नहीं सरकार

देश और दुनिया में पांव पसार चुके कोविद-19 नामक वायरस से समूची मानव सभ्यता पीड़ित है। इस कोविद-19 महामारी से उभरने के लिए सभी मुल्क हर संभव प्रयास कर रहे हैं। जैसा कि लॉकडाउन के चलते अर्थव्यवस्था का पहिया थम गया था। लॉकडाउन में अपने रोजगार से कई लोगों को हाथ धोना पड़ा था, फलस्वरूप बेकारी में बेतहाशा वृद्धि देखी गई थी। अपने शुरुआती दौर में कोरोना वायरस अपने साथ कई लोगों को बड़ी तेजी के साथ संक्रमण की चपेट में ले रहा था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में संक्रमण की रफ्तार धीमी होने के साथ-साथ मौत के आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई हैं। आज देशभर में बेरोजगारी और मह?गाई बेहद गंभीर समस्या बनकर उभर रही हैं। मौजूदा वक्त में जहां सरकार से बेरोजगारों को रोजगार की अपेक्षा है। वहीं सरकार की कार्ययोजना और कार्यप्रणाली की नाकामी के चलते बेरोजगार युवाओं की आशाओं पर पानी फिरता दिख रहा है। राजस्थान सरकार में पिछले कई वर्षों में भर्ती परीक्षाओं में विभिन्न प्रकार की खामियां देखने को मिली हैं। जिसका खामियाजा बेरोजगार युवाओं को भुगतना पड़ रहा है। यह सच्चाई है कि राजस्थान में पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक होने के चलते परीक्षाएं रद्द कर दी गई। विभिन्न परीक्षाओं के रद्द होने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। हाल में 6 दिसंबर को आयोजित जूनियर इंजीनियर भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर सामने आई थी। उसके बाद राजधानी जयपुर में बेरोजगार युवाओं द्वारा कई दिनों तक धरना

प्रदर्शन किया गया। जिसके चलते सरकार ने जूनियर इंजीनियर भर्ती परीक्षा के पेपर लीक होने की खबर की सच्चाई की पृष्ठभूमि जानने के लिए एसओजी से जांच करवाई गई। इस जांच में पाया गया कि जूनियर इंजीनियर परीक्षा का पेपर परीक्षा समय से पहले ही सोशल मीडिया के विभिन्न नेटवर्किंग पर फैल चुका था। आज राजस्थान में पेपर के लीक होने की खबरें आम चलन में हैं। इससे पहले आरएएस, एलडीसी, कांस्टेबल सहित कई भर्तियों में या तो पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द कर दी गई या फिर सवालों में गफलत के चलते परीक्षाएं निरस्त हो गईं। इन भर्ती परीक्षाओं को बाद में फिर से आयोजित कराना पड़ा। फिर से परीक्षा आयोजन के चलते बेरोजगार अभ्यर्थियों को आर्थिक मार झेलनी पड़ती है। लेकिन इन सब के बावजूद भी राजस्थान सरकार अपनी कार्यप्रणाली में आवश्यक सुधार को लेकर बिलकुल भी गंभीर नजर नहीं आ रही है। मौजूदा राजस्थान सरकार ने तृतीय श्रेणी अध्यापक पात्रता परीक्षा यानी रीट के लिए 31000 पदों पर भर्ती करवाने का निर्णय लिया था। एक वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, इसके बावजूद भी आयोजन नहीं करवाया गया। ऐसे में राजस्थान सरकार बेरोजगार युवाओं को रोजगार की अभिव्यक्ति में गुमराह करती दिख रही है। यदि राजस्थान सरकार ने रोजगार को लेकर संवेदनशील रवैया नहीं अपनाया, तो इसका खामियाजा आने वाले समय में भुगतना पड़ सकता हैं।

9 अली खान
(स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार)
जैसलमेर, राजस्थान

ज़िंदगी के बीते हुए लम्हें स्मृतियों की संदूक में क्यूँ पड़े रहते है, दर्द की ख़लिश क्यूँ नहीं होती दफ़न वक्त के गड्ढे में

जज़्बे की कसौटी किए जाती है ज़िंदगी हम क्यूँ बार बार नाकाम होते है, रफ़्तार थमती नहीं संघर्षों के आबशार बहते ही रहते है, लम्हा दर लम्हा क्यूँ गम की बदली छंटती नहीं। सफ़र का पिछला दौर आज पर भारी है तप्त लम्हों की कशिश दिमाग में घटती ही रहती है, क्यूँ हादसों की यादें बहते वक्त के साथ मिटती नहीं। क्यूँ होता नहीं ऐसा कि खुशीयाँ लिपटी रहे ताउम्र हमसे हम मस्ती में झूमते रहते और दर्द की ख़लिश हमें आहिस्ता आहिस्ता भूलती रहे।

(भावना ठाकर,बेंगुलूरु) प्तभावु

2021 में नई शुरूआत करेंगी रिया चक्रवर्ती, फिल्मों में करेंगी वापसी

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को गुजरे हुए 6 महीना बीत चुका है। आज भी सुशांत के फैन्स उनकी मौत के पीछे का सच जानने में लगे हुए हैं। सुशांत के मौत मामले में सबसे ज्यादा जिस शख्स का नाम शामिल हुआ वो थी उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती। सुशांत मामले में शुरूआत से ही रिया का नाम शामिल हुआ है। कभी उन्हें गलत दवाई देने तो कभी उनकी सम्पति पर हक जमाना या फिर ड्रग मामला ,रिया का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। एक महीने तक जेल में रहने के बाद रिया अब अपने फिल्मी करियर की ओर ध्यान देने लगी हैं। नए साल की शुरूआत वो कमबैक से करने जा रही हैं। दरअसल हाल ही में रिया चक्रवर्ती और दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत के करीबी दोस्त और राइटर-डायरेक्टर रूमी जाफरी ने इस बारे में जानकारी दी है। रूमी का कहना है कि रिया के लिए ये साल एक ट्रॉमा से भी ज्यादा भरा रहा है और ऐसे में वो अब 2021 की शुरूआत में वह जरूर वापसी करने वाली हैं। एक लीडिंग टैबलॉयड से बात करते हुए रूमी जाफरी ने कहा,ये साल उनके (रिया) के लिए ट्रॉमैटिक रहा। हालांकि ये साल हर किसी के लिए बहुत ही दुखद रहा लेकिन रिया के मामले में ये एक अलग तरह का ट्रॉमा रहा। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि एक मिडिल क्लास परिवार से आने वाली एक लड़की को एक महीने जेल में रखा जाता हैं? यह पूरी तरह से उसका मोरल तोड़ने वाला हादसा था। रूमी ने आगे रिया के फ्यूचर प्लान्स के बारे में बात करते हुए कहा कि रिया अगले साल की शुरूआत में कमबैक करेंगी। रिया के जेल से आने के बाद रूमी ने रिया से मुलाकात की और उनसे कहा कि इंडस्ट्री खुले हाथों से उनका स्वागत करेगी। रुमी ने कहा,मैं उनसे हाल ही में मिला लेकिन रिया ने ज्यादा बात नहीं की। जिस दर्द से वो गुजर कर आयी हैं उसके बाद हमारा उनपर आरोप लगाना ठीक नहीं है। मुझे पता है रिया को बहुत कहना होगा। गौरतलब हो कि सुशांत सिंह राजपूत को 14 जून को बांद्रा वाले फ्लैट में मृत पाया गया था। 6 महीने बाद भी सुशांत की मौत का सच सामने नहीं आ पाया है। हालांकि इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। सुशांत मामले में रिया चक्रवर्ती को ड्रग्स केस में गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में रिया चक्रवर्ती को सात अक्टूबर को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी। रिया करीब एक महीने तक जेल में रही थीं।

बिना मास्क के एयरपोर्ट पर नजर आए नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह, फैन्स ने कहा- इन्हें वैक्सीन मिल गई क्या?

सिंगर नेहा कक्कड़ पति रोहनप्रीत सिंग संग वेकेशन के लिए रवाना हुई हैं। हाल ही में नेहा और रोहनप्रीत सिंह एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। दोनों ही एयरपोर्ट पर बिना मास्क के नजर आए। पैपराजी को इन्होंने पोज भी दिए। गेट पर चेक-इन करने से पहले हालांकि, दोनों ने मास्क पहन लिए थे, लेकिन फैन्स इन्हें लगातार ट्रोल कर रहे हैं। फैन्स का कहना है कि वीआईपी एंट्री ले रहे हैं, लेकिन इनके मास्क कहां हैं? इन्हें वैक्सीन मिल गई क्या? दिल्ली में इनकी शादी का ग्रैंड सेलिब्रेशन रखा गया था। सोशल मीडिया पर भी इनकी शादी की रस्मों के फोटोज और वीडियोज वायरल हुए थे। इसके बाद नेहा कक्कड़ की बेबी बंप के साथ फोटो वायरल हुई थी। कहा जा रहा था कि नेहा प्रेग्नेंट हैं, लेकिन यह एक गाने की फोटो थी। करीना कपूर खान ने शेयर कीं सैफ अली खान और तैमूर संग फोटोज, कहा- अच्छी फोटो के लिए दोनों के साथ जबरदस्ती करनी पड़ी बता दें कि दोनों की पहली बार मुलाकात ह्यनेहू द व्याहह्व गाने के सेट पर हुई थी। वहीं से दोनों का प्यार परवान चढ़ा। एक महीने बाद दोनों ने शादी कर ली। हनीमून के लिए नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह दुबई गए थे। कपल के कई फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे।

करीना से लेकर अक्षय तक, 2020 में इन स्टार्स को 'बाजार' ने बनाया और अमीर

करीना कपूर और अक्षय कुमार को साल 2020 में सबसे ज्यादा ऐड कॉमर्शल मिले हैं। इस चार्ट में करीना ने नंबर 1 पोजिशन पर कब्जा जमाया था। करीना प्रेग्नेंसी के दौरान भी ऐड शूट्स में बिजी हैं।इस लिस्ट में अक्षय कुमार, अमिताभ बच्चन सहित कई सिलेब्स का नाम है। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार के बाद, अमिताभ बच्चन, रणवीर सिंह, शाहरुख खान, वरुण धवन टॉप 5 मेल ऐक्टर्स रहे। वहीं करीना के बाद कियारा आडवाणी, आलिया भट्ट, अनुष्का शर्मा और श्रद्धा कपूर ने इस लिस्ट में जगह बनाई। रिपोर्ट का दावा है कि 2020 में मेल ऐक्टर्स को 46 और फीमेल ऐक्टर्स को 38 परसेंट ऐड मिले। इन ऐड्स के अलावा अक्षय कुमार अक्षय कुमार की फिल्म 'लक्ष्मी' डिजिटल प्लैटफॉर्म पर रिलीज हुई। अब उनकी फिल्में 'सूर्यवंशी', 'बेल बॉटम', 'पृथ्वीराज' और 'अतरंगी रे' रिलीज होनी हैं। करीना कपूर ने भी लॉकडाउन के दौरान फैमिली के साथ बढ़िया वक्त गुजारा। लॉकडाउन खुलते ही उन्होंने ऐड्स और अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग शुरू कर दी थी।

सुहाना खान ने 2021 शुरू होने से पहले दिखाया दिलकश अंदाज

फिल्म अभिनेता शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान 2021 का स्वागत करने के लिए तैयार है' उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ दिलचस्प तस्वीरें शेयर की है' जो कि बहुत तेजी से वायरल हो रही है' सुहाना खान फिल्म अभिनेता शाहरुख खान की बेटी है' वह फिल्मों में आने से पहले ही सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं' अब उन्होंने 2021 के शुभारंभ से कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है' इसमें वह काफी खूबसूरत लग रही हैं' सुहाना खान का इंस्टाग्राम उनके दिलकश तस्वीरों से भरा हुआ है' सुहाना खान नए वर्ष के स्वागत के लिए तैयार है' सुहाना खान ने न्यू ईयर के लिए एक स्टाइलिश ड्रेस पर चुनाव किया है' इसमें उन्हें खास अंदाज में देखा जा सकता है' सुहाना खान ने इस मौके पर अपनी टोंड कमर भी दिखाई है' सुहाना खान की यह तस्वीर काफी पसंद की जा रही है'

सुहाना खान की हालिया फोटो पर ने उनकी कजिन आलिया छिब्बा ने कमेंट किया, 'मुझे बहुत पसंद आया है'' वहीं सीमा खान और महीप कपूर ने भी सुहाना की स्टाइल को पसंद किया है' एक फैन ने फोटो पर लिखा है, 'मैं भूल गया हूं कि सांस कैसे लेते हैं'' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'यह बहुत खूबसूरत है'' सुहाना खान ने इससे पहले खूबसूरत तस्वीर शेयर की थी' जिसमें वह हॉट लग रही थी' हाल ही में उन्होंने डिज्नी से रिक्वेस्ट की थी कि वह इंडियन प्रिंसेस को लेकर कुछ बनाएं' सुहाना खान न्यूयॉर्क में पढ़ाई कर रही है और वह फिल्म अभिनेत्री बनना चाहती हैं' उनके पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आ चुके हैं और उन्हें एक्ट्रेस बनने के घर से अनुमति मिल गई है' बस उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करनी है' सुहाना खान ने स्कूल के प्रोजेक्ट के लिए बनाई जाने वाली एक फिल्म में अभिनय किया था'

राम गोपाल वर्मा की हॉरर फिल्म '12 ओ क्लॉक' का ट्रेलर रिलीज

राम गोपाल वर्मा की अपकमिंग फिल्म '12 ओ क्लॉक' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज हुआ। यह साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है, जिसमें मिथुन चक्रवर्ती, मकरंद देशपांडे, मानव कौल, दलीप ताहिल, दिव्या जगदाले, आशीष विद्यार्थी, अली असगर और डेब्यूटेंट कृष्णा गौतम अहम भूमिका में नजर आएंगे। 8 जनवरी को रिलीज होने जा रही इस फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बुरे और भयावह सपनों से जूझ रही है और भयानक नींद में चलने वाली घटनाओं से त्रस्त होने लगती है। लड़की को इन सपनों और बुरी घटनाओं से निकालने के लिए क्या कुछ किया जाता है, फिल्म उसी के बारे में हैं। गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर रिलीज करते हुए रामगोपाल वर्मा उर्फ रामू ने कहा, मैं अपनी फिल्म का ट्रेलर शेयर करते हुए रोमांचित हूं। मैं अपने उस जॉनर (हॉरर) के साथ लौट आया हूं, जिसे मैं प्यार करता हूं। '12 ओ क्लॉक' 2021 में थिएटर्स में रिलीज होने वाले पहली फिल्म बनने जा रही है। उम्मीद है कि 8 जून से आपको डरा पाऊंगा।

साल के आखिरी दिन, मलाइका अरोड़ा ने शेयर की प्यार भरी सबसे खूबसूरत तस्वीर

मलाइका अरोड़ा इस वक्त न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए गोवा में हैं और उनके साथ वहां अर्जुन कपूर भी हैं। मलाइका अरोड़ा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस साल के आखिरी दिन पर एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें उनका ढएळ के लिए भरपूर प्यार दिख रहा है। मलाइका ने साल 2020 के आखिरी दिन आज अपने डॉग के साथ अपनी इस साल की सबसे क्यूट तस्वीर शेयर की है। उन्होंने लिखा है, किसेस और प्यार, इस साल का आखिरी दिन।' मलाइका इस डॉग के साथ अक्सर तस्वीरें और वीडियो शेयर किया करती थीं। यहां बता दें कि यह पेट मलाइका की बहन अमृता अरोड़ा का है और उसे वह भी बेहद प्यार करती हैं। हाल ही में इस डॉगी के साथ उन्होंने योग वीडियो भी शेयर किया था। मलाइका अरोड़ा इस वक्त गोवा में हैं और उनके साथ अर्जुन कपूर भी हॉलिडे पर हैं। मलाइका और अर्जुन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ढेरों तस्वीरें शेयर की हैं। मलाइका की स्विमिंग पूल वाली ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं। मलाइका ने स्विमिंग पूल के किनारे पोज देते हुए अपनी जबरदस्त हॉट तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में वह ग्रीन स्विमवेयर में काफी दिलकश पोज देती दिख रही हैं। दोनों ने इस जगह की कई खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें पूल के किनारे बना यह हॉलिडे होम काफी खूबसूरत नजर आ रहा है। अर्जुन कपूर ने भी कई तस्वीरें शेयर की हैं और अपने इंस्टा स्टोरी पर उन्होंने इस खूबसूरत डेकोरेशन के लिए अमृता और उनके हसबैंड शकील लडाक की तारीफ भी की। मलाइका ने अपने गोवा वकेशन की कई खूबसूरत तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर रखी हैं। इन तस्वीरों में मलाइका ने कैमरे के सामने काफी बोल्ड लुक दिया है।

हिना खान के हाथ में लगी चोट

छोटे पर्दे से बड़े पर्दे तक का सफर तय करने वाली हिना खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस अपनी हॉट एंड बोल्ड तस्वीरों को लेकर खूब लाइमलाइट बटोरती हैं। हिना की अपनी एक अलग फैन फॉलाइंग है। लेकिन एक्ट्रेस के फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है। हिना के हाथ में इंजरी हो गई है। दरअसल, एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर खुद की फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वह उल्टे हाथ की चोट दिखाती नजर आ रही हैं।

हिना खान ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर जो फोटोज शेयर की हैं, उसमें उनके उल्टे हाथ में पट्टी बंधी देखी जा सकती है। इसके साथ ही हिना खान ने लिखा कि क्योंकि यह साल 2020 है, यह तो होना ही था। बता दें कि हिना खान की हाल ही में फिल्म विशलिस्ट रिलीज हुई है, जिसे फैंस का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। बता दें हिना खान हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल और उनके परिवार के साथ मालदीव में छुट्टियां मनाने गई थीं। हिना अक्सर मालदीव वेकेशन के लिए जाती रहती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी ट्रिप की खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। एक्ट्रेस धीरे-धीरे अपनी ट्रीप की तस्वीरें अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर कर रही है। हिना खान के इंस्टाग्राम पर एक करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। हिना अपने फैंस के लिए ग्लैमरस फोटो भी शेयर करती रहती हैं। जब फैंस को उनकी हाथ में चोट लगने की बात पता चली, तो उन्होंने उनके जल्दी ठीक होने की कामना की है। वहीं बात करें उनकी पर्सनल लाइफ की तो हिना ने कभी भी अपने और रॉकी के रिलेशनशिप को फैंस से नहीं छिपाया। एक्ट्रेस खुलकर अपने प्यार का इजहार वक्त - वक्त पर करती हुई नजर आती है। एक्ट्रेस हिना खान घर-घर में सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है की अक्षरा के नाम से मशहूर हुई। हिना खान ने 20 साल की उम्र में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इनकी जर्नी आसान तो नहीं रही, लेकिन आज जिस मुकाम पर वह खड़ीं हैं, शायद ही कोई टीवी एक्ट्रेस पहुंच पाई हों।

रक्त प्रवाह में कोरोना संक्रमण से जूझ रहे मरीजों को अधिक खतरा

अस्पताल में भर्ती ऐसे मरीजों की मृत्यु दर 50 प्रतिशत से अधिक थी

न्यूयार्क ■ एजेंसी

कोरोना के गंभीर लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती और रक्त प्रवाह में संक्रमण का सामना कर रहे मरीजों की जान को अत्यधिक खतरा है। एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। हालांकि, अध्ययन के ये नतीजे उपचार की नयी रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। 'क्लीनिकल इंफेक्शियस डिजिजेज' जर्नल में प्रकाशित अध्ययन कोविड-19 के गंभीर लक्षणों के साथ अस्पताल में भर्ती और रक्त प्रवाह में संक्रमण का सामना कर रहे मरीजों में सूक्ष्म जीव विज्ञान, खतरे के कारण और परिणामों का आकलन करने वाला पहला अध्ययन है। अध्ययन में अमेरिका के रटगर्स विश्वविद्यालय के अनुसंधानकताओं ने मार्च से लेकर मई 2020 तक कोविड-19 के 375 गंभीर मरीजों के स्वास्थ्य का आकलन किया। उन्होंने समूह से 128 नमूनों की जांच की जिनमें रक्त प्रवाह में संक्रमण था, उनमें 92 प्रतिशत संक्रमण जीवाणु से था। विश्विवद्यालय की ओर से अध्ययन की सह लेखक पिंकी भट्ट ने कहा, इन मरीजों के अत्यधिक मानसिक तनाव में रहने, ऑक्सीजन सकेंद्रण की कम मात्रा रहने की संभावना को लेकर उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती किया गया था। वैज्ञानिकों के मुताबिक जिन मरीजों को बाहर से अतिरिक्त ऑक्सीजन चढ़ाए जाने की जरूरत थी, उनमें रक्त प्रवाह संक्रमण की अधिक समस्या थी। अध्ययन में शामिल वैज्ञानिकों ने कहा कि अस्पताल में भर्ती ऐसे मरीजों की मृत्यु दर 50 प्रतिशत से अधिक थी। अध्ययन के मुताबिक, अध्ययन में शामिल किए गए मरीजों में 80 प्रतिशत को अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान कभी न कभी 'एंटीमाइक्रोबियल' दिया गया, यह उन्हें भी दिया गया जिन मरीजों के रक्तप्रवाह में संक्रमण नहीं था। भट्ट ने कहा कि यह समझने के लिए और अधिक अध्ययन किए जाने की जरूरत है कि कोविड-19 के गंभीर मरीजों में रक्त प्रवाह संक्रमण के बारे में कब संदेह करें और कब उसका इलाज करें।

कोरोना के बीच हिंदू-अमेरिकी समुदाय ने खाद्य पदार्थ बांटे

न्यूजर्सी राज्य के 45 शहरों में रिकॉर्ड 1,22,000 पौंड खाद्य पदार्थ का संग्रह हुआ

न्यूयॉर्क । कोविड-19 महामारी के दौरान आजीविका पर आए संकट और आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए आगे आकर हिंदू-अमेरिकी समुदाय ने अमेरिका के 26 राज्यों में 2,96,000 पौंड से अधिक खाद्य पदार्थ का वितरण किया। एक बयान में कहा गया कि महामारी के दौरान देश में 175 से अधिक संगठनों और लोगों ने खाद्य पदार्थ बांटने के लिए हाथ मिलाया। संगठनों ने सेवा दिवाली पहल के तहत सामूहिक रूप से 26 राज्यों के 210 शहरों में 2,96,000 पौंड खाद्य पदार्थ बांटे और लोगों को आश्रय दिया। इस पहल के तहत न्यूजर्सी राज्य के 45 शहरों में रिकॉर्ड 1,22,000 पौंड खाद्य पदार्थ का संग्रह हुआ। मिडलसेक्स काउंटी कॉलेज की मूलभूत आवश्यकताओं की संयोजक अमांडा लेयांस ने कहा कि यह मदद ऐसे वक्त में मिली, जब कॉलेज के छात्र मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। सेवा दिवाली एक राष्ट्रीय पहल है, जिसमें कई संगठन और लोग धर्म और निस्वार्थ सेवा के मूल्यों के कारण एकजुट हुए हैं। हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) के न्यूजर्सी के संयोजक अमित शहाणे ने कहा कि इसकी शुरूआत 2018 में हुई थी। उन्होंने बताया कि स्थानीय समुदाय की मदद के लिए तब 25 से अधिक संगठनों ने 18,000 पौंड खाद्य पदार्थ का संग्रह किया था। वर्ष 2019 में यह परियोजना 11 राज्यों तक फैली और 40 से अधिक शहरों में 55,000 पौंड से अधिक खाद्य पदार्थ का संग्रह हुआ। बयान में कहा गया कि पार्सिपैनी के मेयर माइकल सोरियानो और अन्य शहरों एवं राज्य के अधिकारियों ने सेवा दिवाली और इसके कार्यकताओं के प्रयास की सराहना की है।

न्यूज. ब्रीफ

डोनाल्ड ट्रंप ने वीजा प्रतिबंध की अवधि 10 अप्रैल तक बढ़ाई

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उन देशों पर लागू वीजा प्रतिबंध की अवधि बढ़ा दी है, जिन्होंने अमेरिका में कानूनों का उल्लंघन करने वाले अपने नागरिकों को वापस बुलाने से इनकार कर दिया है। ऐसे देशों के लिए वीजा प्रतिबंध 31 दिसंबर को खत्म हो रहा था। ट्रंप ने इस संबंध में 10 अप्रैल को ज्ञापन जारी किया था। ज्ञापन में विदेश मंत्री और गृह मंत्री को अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन करने वाले अपने नागरिकों को स्वदेश वापस नही बुलाने वाले देशों के लिए वीजा जारी नहीं करने का अधिकार दिया गया है। ट्रंप ने नया ज्ञापन जारी कर कहा कि 10 अप्रैल को जारी ज्ञापन उनके राष्ट्रपति पद पर बने रहने तक प्रभावी रहेगा।

पाकिस्तान को खुफिया जानकारी भेजने वाला मैकेनिक गिरफ्तार

जगराओं। सीआईए स्टाफ ने कुछ वर्ष पहले कुवैत से आए हलवारा एयरबेस में डीजल मैकेनिक का काम करते व्यक्ति को देश विरोधी गतिविधियों के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार एसआई जसवीर सिंह तथा पुलिस टीम को गांव सत्तोवाल में गश्त दौरान जानकारी मिली थी कि रामपाल सिंह अपने साथियों सुखकिरण सिंह उर्फ सुक्खा तथा शाबिर अली सहित खालिस्तानी व प्रतिबंधित असामाजिक संगठनों के साथ मिलकर पंजाब में गड़बड़ी फैलाने के लिए पाकिस्तान में बैठे आईएसआई एजैंट अदनाल के सम्पर्क में है। आरोपी रामपाल सिंह एयरबेस के अंदर से खुफिया जानकारी तथा एयरबेस के चित्र अपने साथियों की सहायता से पाकिस्तान भेज रहा है, जिससे देश की सुरक्षा को खतरा है।

मवेशी तस्करी घोटाले के साथ कोयला चोरी मामले में सीबीआई की हुगली में रेड

कोलकाता। बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में हलचल बढ़ने लगी है। गुरुवार को सीबीआई ने कोलकाता में तृणमूल यूथ कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी विनय मिश्रा के ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी मवेशी तस्करी घोटाले को लेकर की गई है। विनय को तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। अभिषेक बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। सीबीआई की टीम कोलकाता में विनय मिश्रा के ठिकानों पर पहुंची , दो ठिकानों पर मवेशी घोटाले और एक जगह पर कोयला चोरी मामले में रेड मारी गई है। इसके अलावा आसनसोल के विख्यात कोयला तस्करी कांड में हुगली जिले का भी नाम जुड़ गया है। सीबीआई की टीम ने गुरुवार को जिले के कोननगर में अमित और नीरज सिंह दोनों भाइयों के घरों में छापा मारा। हालांकि, सीबीआई की टीम की छापेमारी के दौरान सिंह बंधु अपने घर से नदारद थे। सीबीआई ने परिवार के सदस्यों से सवाल कर घर में मौजूद दस्तावेजों की जांच पड़ताल की।

कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अमेरिका में अन्य टीकों के लिए व्यापक अध्ययन जारी

वाशिंगटन। अमेरिका में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच कोविड-19 के अन्य टीकों के लिए व्यापक अध्ययन जारी है। लोक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा है कि दो से अधिक टीकों के उपलब्ध रहने से लोगों के पास और अधिक विकल्प रहने वाले है। एक टीके का निर्माण फाइजर और उसकी सहयोगी जर्मन कंपनी बायोएनटेक ने किया है जबकि दूसरा टीका मॉडर्ना ने बनाया है। विशेषज्ञों की राय है कि पर्याप्त संख्या में टीकों के उपलब्ध रहने से देश और विश्व की बड़ी आबादी का टीकाकरण सुनिश्चित होगा। नोवावैक्स इंक, अमेरिका द्वारा विकसित संभावित टीका अंतिम चरण के परीक्षण तक पहुंचने वाली पांचवी कंपनी है। अमेरिका में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ. एंथनी फॉसी ने कहा कि अगर आप देश में 85 प्रतिशत से अधिक की आबादी का टीकाकरण सुनिश्चित करना चाहते हैं तो आपको दो से अधिक कंपनियों की जरूरत होगी।

| जिगोलो मार्केट में जमकर महिलाओं ने लुटाया पैसा |

नये साल पर दिल्ली में खूब सजी मर्दों की मंडी

उदय चंद्र ■ नई दिल्ली

2020 की विदाई और 2021 का स्वागत हर किसी ने अपने-अपने अंदाज में किया हो, लेकिन कुछ लोगों की ज़िदंगी में सब कुछ रोज की तरह था। फर्क सिर्फ.इतना था कि 31 दिसंबर की रात इनकी डिमांड कुछ अधिक थी। बाजार का सामान्य नियम है कि मांग अधिक है तो दाम भी अधिक होगा। दिल्ली में 31 दिसंबर की रात को यादगार बनाने के लिए सेक्स के लिए मर्दों की मंडी में हफ़्ते भर पहले से बुकिंग शुरू हो गई थी। जो छूट गए या जो रह गए उनका मोलभाव दिल्ली के सरोजनी नगर, लाजपत नगर, पालिका मार्केट और कमला नगर मार्केट समेत कई इलाकों में देर रात चलता रहा ।

दिल्ली के कई ऐसे इलाके हैं जहां नहीं मर्दों की बोलियां लगती हैं। उन इलाको में रात 10 बजे के बाद लड़कियों का नहीं बल्कि लड़कों का जाना मुश्किल हो जाता है। इस मंडी को जिगोलो मार्केट कहा जाता है। यहां अमीर घरों की औरतें मर्दों को खरीदने आती हैं। ह्यजिगोलो मार्केट' में मर्दों की मुंहमांगी रकम दी जाती है। इस कारोबार को दिल्ली के कई लड़के अपना व्यवसाय बना चुके हैं तो कई अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए ऐसा करते हैं। यह कारोबार बहुत सिस्टमैटिक और ऑनलाइन चलता है। कमाई का 20 से 25 प्रतिशत हिस्सा बिकने वाले मर्द को अपनी ऑनलाइन प्लेटफार्म या उस संस्था को देना पड़ता है, जिसके माध्यम से उसे बुकिंग मिलती है।

वैसे कुछ जिगोलो यह कारोबार अपने दम पर भी करते हैं। मर्दों की पहचान के लिए उनके गले में जिगोलो रुमाल और पट्टे बंधे होते हैं। । इससे ही उनकी पहचान होती है। कौन लड़का कितना महंगा है ये उसके गले में लिपटे रुमाल की लंबाई से पता चलता है। हालांकि जिगोलो' की अंतिम कीमत उसकी प्रोफाइल, फिजिक, लुक पर तय होती है। दिल्ली के कुछ इलाकों में बड़ी-बड़ी लग्जरी कारों में मॉर्डन और हाई सोसाइटी की औरतें, लड़कियां और उम्र दराज औरतें भी अपने लिए जिगोलो नामक खिलौना चुनने पहुंच जाती हैं.। रात भर या फिर घंटे के हिसाब से उस से खेलती हैं और सुबह की रोशनी के पहले ही वापस भेज देती हैं। कभी कभी शहर से बाहर आउट हाउस या राजधानी के होटल में ले जाने की भी व्यवस्था होती है। नये साल पर दिल्ली का जिगोलो मार्केट में भी खूब डिमांड रही। कहीं भी किसी में कोरोना का कोई खौफ नहीं। हां, यह जरूर था कि जिगोलो की ऑनलाइन बुकिंग करनेवालों ने यह जरुर प्रचारित कर रखा था कि उनके सभी जिगोलो 30 दिसंबर की कोविड टेस्ट की रिपोर्ट अपने साथ रखेंगे। यानि कोविड से सुरक्षा की गारंटी भी दी गई थी। जिगोलो मार्केट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस वर्ष नए साल पर जिगोलो की बुकिंग 3000 रुपए से लेकर 25000 रुपये तक की रही। अकेली महिला को सर्विस देने का रेट तीन से पांच हजार रुपए रहा। वहीं ग्रुप में जिन महिलाओं ने पार्टी की, उन्होंने पूरी रात के लिए 20 से 30 हजार रुपए में जिगोलो की बुकिंग की। पांच से अधिक महिलाओं पर यह रेट बढ़ जाता है। वैसे जिगोलो मार्केट से जुडे सूत्रों ने बताया कि हमेशा की तरह इस बार भी नये साल पर सिंगल क्लाइंट सर्विस (यानि सिर्फ एक महिला को सेवा) के लिए गठीले और सिक्स पैक ऐब्स वाले युवाओं की बुकिंग 15 से 20 हजार रूपए तक की हुई है । इस बार भी बड़ी संख्या में दिल्ली के जिगोलो बुकिंग कर नैनीताल, शिमला भी ले जाए गए।

दिल्ली के कुछ निजी होटलों में भी जिगोलों की सर्विस उपलब्ध है। नये वर्ष पर इन होटलों को भी जिगोलो के नाम पर खूब बुकिंग मिली । लेकिन होटलों में जिगोलों की बुकिंग करनेवाले अधिकतर गे थे। अपनी पहचान गुप्त रखे जाने की शर्त पर एक जिगोलो ने बताया कि शुरू में इस धंधे में आनेवाले नए युवाओं को पुरुषों से ही संबंध बनाने पड़ते हैं। ऐसे पुरुषों(गे) के घरवालों को भी सबकुछ पता होता है। उनकी पत्नियां भी घर पर मौजूद होती हैं और उन्हें भी पता होता था कि पति को सर्विस देने वाला जिगोलो है। वहां जो होता है, वह सब पत्नी के सामने होता है। जब पति उनके सामने ये सब करते हैं तो जाहिर है तो पत्नियां भी जिगोलो की सर्विस लेने में पीछे नहीं रहतीं। धीरे-धीरे उनकी पत्नियां भी जिगोलो से से खुलने लगती हैं फिर वे भी जिगोलों को कॉल करके बुलाने लगती हैं। दिल्ली के कुछ होटलों ने तो नए साल पर जिगोलो की सर्विस के लिए 'स्पेशल कपल्स जी सर्विस पैकेज' भी उपलब्ध कराये । कोरोना को देखते हुए तमाम प्रतिबंधों के बीच नये साल की मस्ती के बाद कपल्स जिगोलो के साथ कमरे में बंद हो गए ।

दरअसल यह एक नया ट्रेंड है जो दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में पैसे के दम पर खूब फल-फूल रहा है। इसका एक बड़ा कारण सुरक्षा भी है। अकेली लड़कियां अक्सर सुरक्षा कारणों से जिगोलों को कॉल करके सर्विस लेना नहीं चाहती। ऐसे में कई बार किसी का पति या ब्वायफ्रेंड ही अपनी पार्टनर के लिए जिगोलो को बेहिचक बुलाते हैं। नए शादीशुदा जोड़े हनीमून पर भी जिगोलों बुक करने के लिए कॉल करते हैं। जरुरी नहीं कि पति या ब्वॉयफ्रेंड में कोई कमी हो। ऐसे कपल्स जिगोलो की डिमांड सिर्फ मस्ती के लिए करते हैं।

नये साल पर मप्र सहित छह राज्यों में प्रधानमंत्री रखेंगे लाइट हाउस प्रोजेक्ट्स की आधारशिला

मुख्यमंत्री शिवराज चौहान भी होंगे शामिल

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

मध्य प्रदेश के इंदौर में लाइट हाउस प्रोजेक्ट्स (एलएचपी) के तहत नए जमाने की वैकल्पिक वैश्विक प्रौद्योगिकी देखने को मिलेगी। इस प्रोजेक्ट के तहत इंदौर सहित रांची (झारखंड)म, राजकोट (गुजरात), चेन्नई (तमिलनाडु), अगरतला (त्रिपुरा) और लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में 1000 मकान जीएचटीसी- इंडिया के तहत बनाए जाएंगे जो आवास निर्माण के क्षेत्र में नवीन तकनीकों को अपनाने के लिए एक समग्र परिवेश तैयार करने की परिकल्पना करता है। ये परियोजनाएं पारंपरिक तौर पर ईंट एवं कंक्रीट वाले निर्माण के मुकाबले कहीं अधिक तेजी से यानी महज बारह महीने के भीतर रहने के लिए तैयार मकानों को प्रदर्शित और वितरित करेंगी। इसके अलावा ये मकान उच्च गुणवत्ता के साथ किफायती और टिकाऊ भी होंगे। इस योजना की आधारशिला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1 जनवरी, 2021 को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम करेंगे । प्रधानमंत्री अफोर्डेबल सस्टेनेबल हाउसिंग एक्सेलेरेटर्स-इंडिया (एएसएचए- इंडिया) के तहत विजेताओं की भी घोषणा करेंगे और प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) मिशन के कार्यान्वयन में उत्कृष्टता के लिए वार्षिक पुरस्कार भी देंगे। इस अवसर पर आवास एवं शहरी कार्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) के अलावा त्रिपुरा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री उपस्थित रहेंगे।

पूरा नगालैंड अगले 6 महीने तक अशांत घोषित, अफ्स्पा हुआ लागू

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

केंद्र सरकार ने समूचे नगालैंड को अगले 6 महीनों के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया है। विवादस्पद अफ्स्पा कानून लागू रहेगा, जिससे सुरक्षा बलों को कहीं भी अभियान चलाने व किसी को बिना वारंट के गिरफ्तार करने का अधिकार है।

नगालैंड में सशस्त्र बल विशेष अधिकार कानून (अफ्स्पा) कई दशकों से लागू है। गृह-मंत्रालय ने कहा, सरकार का मानना है कि पूरा नगालैंड ऐसी अशांत व खतरनाक स्थिति में है कि वहां नागरिक प्रशासन की मदद के लिए सशस्त्र बलों का इस्तेमाल जरूरी है। नया आदेश 30 दिसंबर, 2020 से छह महीने की अवधि के लिए प्रभावी होगा। राज्य के विभिन्न हिस्सों में लूट, हत्याएं और जबरन वसूली की घटनाओं को देखते हुए यह फैसला किया गया। दरअसल, पूर्वोत्तर के साथ साथ जम्मू-कश्मीर के विभिन्न संगठन अफ्स्पा हटाने की मांग करते रहे हैं। उनका आरोप है कि इस कानून से सुरक्षा बलों को व्यापक अधिकार मिलता है। 2015 में पीएम मोदी की मौजूदगी में नगा विद्रोही समूह एनएससीएन आईएम के महासचिव टी मुइवा और सरकार के वातार्कार आर.एन.रवि के बीच समझौते के बावजूद अफ्स्पा को वापस नहीं लिया था। नगालैंड में शांति प्रक्रिया कुछ समय से अटकी हुई है क्योंकि एनएससीएन आईएम अलग झंडे और संविधान की मांग पर जोर दे रहा, जबकि केंद्र ने इसे खारिज कर दिया है।

गूगल पर जरा सी चूक और लग गया 80 हजार का चूना

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

गूगल सर्च का इस्तेमाल आजकल हर छोटी जानकारी के लिए किया जाने लगा है। लेकिन कई बार जरा सी गलती का आपको बड़ा खामियाजा भुगतना पड़ता है। ऐसा ही एक मामला दिल्ली में सामने आया है।

यहां एक प्राइवेट कंपनी में काम करने वाले व्यक्ति ने एक कुरियर कंपनी का कस्टमर केयर नंबर गूगल पर सर्च किया था। लेकिन एक गलती की वजह से उसे 80 हजार रुपये का चूना लग गया। तो आइए जानते हैं पूरा मामला और कैसे आप भी इससे बचकर रहें। दरअसल उस व्यक्ति के एक पैकेज की डिलीवरी में थोड़ी देरी हो गई। ऐसे में व्यक्ति ने कुरियर कंपनी का कस्टमर केयर नंबर गूगल पर सर्च किया था। कस्टमर केयर से बात करने के बाद जब शख्स ने रिफंड के लिए अपनी अकाउंट डीटेल्स साझा की, तो उसके खाते 80 हजार रुपये साफ हो गए। असल में गूगल सर्च में जो नंबर दिया गया था वह एक फेक नंबर था, जिसका इस्तेमाल जालसाज कर रहे थे। शख्स ने कस्टमर केयर समझकर उन्हें कॉल किया और वेरिफिकेशन के नाम पर अपनी पर्सनल डीटेल्स साझा कर दी। कस्टमर केयर बनकर बात कर रहे जालसाजों ने शख्स से उसका नाम, पता, कुरियर आईडी आदि एक फॉर्म में भरवा लिया। इसके बाद लिंक भेजकर शख्स से नाम का एक एप डाउनलोड करने के लिए कहा गया। जालसाजों ने कहा कि इसके जरिए कुरियर की लोकेशन ट्रैक हो सकेगी। आखिरी में शख्स को बताया गया कि उन्हें 2 रुपये की एक छोटी ट्रांजेक्शन करनी होगी, जिससे डिलिवरी ना होनी की स्थिति में रिफंड मिल सके। इसके जरिए जालसाजों को व्यक्ति के डेबिट कार्ड की डीटेल्स भी मिल गईं।टीमव्यूअर एक रिमोट डेस्कटॉप सपोर्ट एप्लिकेशन है, जिसके जरिए आप कहीं से भी दूसरे डिवाइस की स्क्रीन को देख सकते हैं।

देशभर में 2300 से अधिक श्वान और 1415 घोड़े दे रहे पुलिस में सेवा, दिल्ली पुलिस में 86 जानवर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत में 2,300 से अधिक श्वान और 1,415 घोड़े पुलिस को सेवा दे रहे हैं। गुजरात पहले पायदान पर है। इसके बाद उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का नंबर है। पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो द्वारा जारी 1 जनवरी, 2020 तक के आंकड़ों के अनुसार गुजरात पुलिस में सर्वाधिक घोड़े और ऊंट हैं। इस मामले में स्निफर डॉग्स के मामले में महाराष्ट्र और ट्रैकर डॉग्स के मामले में यूपी नंबर एक पर है। देश के सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में ह्यट्रैकर्स डॉग्सह्न, ह्यस्निफर डॉग्सह्न, घोड़े और ऊंटों सहित 3,867 जानवर हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय की इकाई पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार देश में 1,516 स्निफर और 849 ट्रैकर्स डॉक हैं। इसके अलावा 1,415 घोड़े, 28 ऊंट और 59 अन्य जानवर हैं। गुजरात पुलिस की सेवा में सर्वाधिक 574, यूपी में 428, महाराष्ट्र में 298 और मध्य प्रदेश पुलिस की सेवा में 244 जानवर हैं। गुजरात पुलिस के पास 422 घोड़े, 69 स्निफर, 49 ट्रैकर्स डॉग हैं। गुजरात में 28 ऊंट और छह अन्य श्रेणी के जानवर हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के पास 215 घोड़े, 96 स्निफर और 117 ट्रैकर्स डॉग हैं। महाराष्ट्र पुलिस में 194 स्निफर और 104 ट्रैकर्स डॉग हैं, लेकिन घोड़ा या ऊंट नहीं है। मध्य प्रदेश पुलिस के पास 132 घोड़े, 68 स्निफर और 44 ट्रैकर्स डॉग हैं।

एयरपोर्ट पर चेहरा देखकर मिलेगा प्रवेश पैसेंजर का चेहरा ही होगा बोर्डिंग पास

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

आने वाले दिनों में पैसेंजर के चेहरे और बायोमैट्रिक की सहायता से एयरपोर्ट पर प्रवेश मिलेगा।'डिजी यात्रा' के तहत शुरू होने वाले सिस्टम के लिए सोमवार से आईजीआई एयरपोर्ट पर ट्रायल शुरू किया गया है जो जापान की कंपनी के साथ मिलकर किया जा रहा है। फिलहाल, इस टी-3 पर एक एयरलाइंस के साथ शुरू किया गया है, आने वाले समय में एयर इंडिया समेत दो एयरलाइंस और जुड़ जाएंगी। दिल्ली एयरपोर्ट सूत्रों ने बताया कि इससे पहले टी-3 पर एक बार और ऐसा ट्रायल स्वीडन की एक कंपनी के साथ किया गया था। लेकिन, यह नया ट्रायल बड़े स्तर पर करने की कोशिश की जा रही है ताकि शुरू करने से पहले इसमें आने वाली दिक्कतों को दूर किया जा सके। अभी यह विकल्प के तौर पर किया जा रहा है। मसलन, यात्री अगर चाहे तो वह डिजी यात्रा के तहत भी टी-3 से फ्लाइट पकड़ सकता है। वरना, पहले से चल रही प्रक्रिया से वह अपना सफर जारी रख सकता है। यह घरेलू यात्रियों के लिए ही है। इस टी-3 के डिपार्चर गेट नंबर-3 के पास लगाया गया है। इससे कई तरह के फायदे होने की उम्मीद है।

आने वाले समय में डिजी सिस्टम से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एयरपोर्ट पर नया सिस्टम भी तैयार किया जा सकता है, ताकि उन्हें अन्य यात्रियों के साथ लाइनों में ना लगना पड़े। डिजी यात्रा सिस्टम के यात्रियों के चेहरे को एक बार सिस्टम में रजिस्टर्ड किया जाएगा। इसके बाद उन्हें टर्मिनल में प्रवेश करते वक्त अपनी पहचान साबित करने के लिए किसी भी तरह का कोई पहचान पत्र दिखाने की जरूरत नहीं होगी। यात्री के टर्मिनल में प्रवेश करते ही एयरलाइंस को भी इसका पता लग जाएगा कि वह टर्मिनल के अंदर पहुंच चुका है। उसका बोर्डिंग पास भी उसके मोबाइल फोन में आ जाएगा। चूंकि इस सिस्टम में रजिस्टर्ड यात्री की पहले से ही पहचान संबंधित तमाम डिटेल्स सीआईएसएफ, एयरलाइंस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के पास होंगी, तो उस यात्री के कैमरे में चेहरा दिखाते ही फ्लैपगेट ओपन हो जाएंगे।

इजाजत — तंजानिया में किशोरी गर्भवती दर सर्वाधिक

गर्भवती छात्राओं को स्कूल जाने की मिली इजाजत

दोदामा ■ एजेंसी

तंजानिया में गर्भवती छात्राओं को स्कूल जाने की इजाजत मिल गई है। एक साल पहले पश्चिम अफ्रीकी राज्यों (इकोवास) के आर्थिक समुदाय की शीर्ष अदालत ने सिएरा लियोन में लागू इसी तरह के प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताते हुए फैसला सुनाया था कि यह बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार का उललंघन है। इस फैसले के तीन महीने बाद मार्च में सिएरा लियोन ने स्कूल जाने वाली गर्भवती लड़कियों और युवा माताओं पर प्रतिबंध हटा दिया था।

पिछले महीने तंजानिया सरकार को गर्भवती स्कूली छात्राओं और स्कूल जाने वाली युवा माताओं पर प्रतिबंध लगाने के लिए अदालती कार्यवाही झेलनी पड़ी। तंजानिया दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है जो इस तरह के प्रतिबंध लगाता है। सिएरा लियोन के खिलाफ कानूनी मामला दर्ज करने के बाद अब यह लड़ाई महाद्वीप के दूसरी ओर तंजानिया में लड़ी जा रही है। 2017 में राष्ट्रपति जॉन मैगुफुली ने चेतावनी देते हुए कहा था कि जब तक मैं राष्ट्रपति हूँ तब तक किसी भी गर्भवती छात्रा को स्कूल जाने की इजाजत नहीं होगी। गर्भवती होने के बाद एक लड़की का जीवन इतना ही होगा। अफ्रीकी देश में कम उम्र में गर्भधारण की समस्या रही है। 2013 में 18 साल से कम उम्र की 35 फीसदी से अधिक लड़कियों ने बच्चा पैदा किया था। अफ्रीका में फैली इबोला महामारी के दौरान कुछ क्षेत्रों में यह आंकड़ा 65फीसदी तक भी देखा गया था। जैसे ही सिएरा लियोन इबोला के संकट से उबरने लगा सरकार आधिकारिक रूप से गर्भवती लड़कियों के मेनस्ट्रीम स्कूलों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। सरकार को इस बात से डर था कि ये गर्भवती लड़कियां अन्य लड़कियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित न करें। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2015 में लगभग 3,000 लड़कियां इस प्रतिबंध से प्रभावित हुई थीं। हालांकि गर्भवती लड़कियों और युवा मांओं के लिए समानांतर शिक्षण केंद्र खोले गए थे जहाँ वे सप्ताह में तीन दिन पढ़ने जा सकती थी लेकिन इकोवास अदालत ने दिसंबर में इन केंद्रों को भेदभाव का एक और रूप बताया और उन्हें समाप्त करने का आदेश दिया। शिक्षा मंत्री डेविड मोइनिना सेंगेह ने इस नए लोकतान्त्रिक युग का आह्वान करते हुए खुशी जाहिर की जिसमें बच्चों को बिना भेदभाव के उनके सार्वभौमिक शिक्षा के अधिकार मिल सकेंगे। इस निर्णय के बाद पहली बार लगभग 1,000 गर्भवती लड़कियां परीक्षा देने में सक्षम हुई थीं। दुनिया में तंजानिया में सबसे अधिक किशोर गर्भावस्था की दर है। विश्व बैंक ने इस साल तंजानिया को ऋण दिया था। विश्व बैंक का कहना है कि हर साल स्कूल छोड़ने वाले 60,000 छात्रों में से आधी लड़कियां हैं जिनमें से 5,500 गर्भवती होने के कारण छोड़ देती हैं।

रोहित ने शुरू की तीसरे टेस्ट मैच की तैयारी, मैदान में बहाया पसीना

मेलबर्न ■ एजेसी

ऑस्ट्रेलिया में 14 दिनों का पृथकवास पूरा करने के बाद अनुभवी भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी रोहित शर्मा ने बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड की देख-रेख में गुरूवार को मेलबर्न क्रिकेट मैदान में पहली बार अभ्यास सत्र में भाग लिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में सात जनवरी से शुरू हो रहे सिडनी टेस्ट में इस सलामी बल्लेबाज के खेलने की संभावना है। बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) ने दो तस्वीरों के साथ इस बल्लेबाज की फोटो ट्वीट करते हुए लिखा कि इंजन स्टार्ट हो रहा है और जो होने वाला है उसकी यह छोटी झलक है। रोहित अभ्यास कर रहे थे तो वही भारतीय दल के बाकी खिलाड़ियों ने श्रृंखला के दूसरे टेस्ट जीत के बाद दो दिनों का विश्राम करना बेहतर समझा। रोहित इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। इस कारण वह इस दौरे पर सीमित ओवरों की श्रृंखला और पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेल पाए। बीसीसीआई द्वारा जारी फोटो में 33 साल का मुंबई का यह खिलाड़ी कैच अभ्यास करते हुए दिख रहा है। इस दौरान थ्रॉडाउन विशेषज्ञ राघवेन्द्र और दयानंद गरानी के साथ श्रीलंका के नुवान सेनेवेरत्ने रोहित की मदद के लिए वहां मौजूद थे। टीम के साथी खिलाड़ियों से बुधवार को मिलने से पहले रोहित सिडनी में दो सप्ताह की पृथकवास पर थे। भारतीय कोच रवि शास्त्री ने दूसरे मैच के समाप्त होने के बाद कहा था कि रोहित को तीसरे टेस्ट मैच के लिये टीम में शामिल करने से पहले उनकी फिटनेस पर गौर किया जाएगा। बीसीसीआई ने 11 दिसंबर को घोषणा की थी कि इस सलामी बल्लेबाज ने बेंगलुरू में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में फिटनेस परीक्षण पास कर लिया है जिससे उनका चार टेस्ट मैचों की श्रृंखला में खेलने का रास्ता साफ हुआ था। रोहित के भारतीय टीम के साथ चार जनवरी को सिडनी रवाना होने की संभावना है। राज्य में कोविड-19 से जुड़ी स्थिति के कारण टीम के यात्रा कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी कहा था कि मुंबई के इस 33 साल के बल्लेबाज को सिडनी टेस्ट में शुभमन गिल के साथ पारी आगाज करनी चाहिए।

शमी के बाद उमेश भी ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर शार्दूल या नटराजन को मिल सकता है मौका

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 जनवरी से शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के पहले टीम इंडिया के लिए एक परेशान करने वाली खबर है। दूसरे टेस्ट में चोटिल हुए पेसर उमेश यादव अब सीरीज में आगे नहीं खेल सकेंगे। उमेश देश लौट रहे हैं। उनकी जगह शार्दूल टाकुर या टी नटराजन को सिडनी टेस्ट में मौका मिल सकता है। उमेश मेलबर्न टेस्ट के तीसरे दिन चोटिल हुए थे। उनकी मांसपेशियों में खिंचाव है। इस मैच में उनका बचा हुआ ओवर मोहम्मद सिराज ने पूरा किया था। उमेश फिट होने के बाद नेशनल क्रिकेट अकेडमी में ट्रेनिंग करेंगे। उमेश की जगह मुंबई के ऑलराउंडर शार्दूल को सिडनी टेस्ट में मौका मिल सकता है। वे पेसर होने के साथ ही लोअर ऑर्डर में अच्छी बैटिंग भी कर सकते हैं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने न्यूज एजेंसी से कहा- लोग टी नटराजन को लेकर खुश और उत्सुक हैं। लेकिन, उन्होंने तमिलनाडु के लिए सिर्फ एक फर्स्ट क्लास मैच खेला है। शार्दूल कई सीजन से मुंबई के लिए रेड बॉल क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ मौका मिला थे, लेकिन बदकिस्मती से वे घायल हो गए और एक ओवर भी पूरा नहीं कर पाए। उमेश की जगह उन्हें प्लेइंग- 11 में मौका मिल सकता है। हालांकि, इस बारे में आखिरी फैसला हेड कोच रवि शास्त्री, कप्तान अजिंक्य रहाणे और गेंदबाजी कोच भरत अरुण ही करेंगे। शार्दूल ने अब तक 62 फर्स्ट क्लास मैच खेले हैं। इनमें उनके 206 विकेट हैं। उन्होंने पांच हाफ सेंचुरी भी लगाई है। सीरीज 1-1 की बराबरी पर चार टेस्ट मैचों की सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। एडिलेड के पहले टेस्ट (डे-नाइट) में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 8 विकेट से हराया था। दूसरे टेस्ट में भारत ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी।

रहाणे 5 पायदान की छलांग के साथ टॉप-10 में

कोहली नंबर-2 पर बरकरार बुमराह-अश्विन को भी फायदा

दुबई ■ एजेसी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न टेस्ट में शतक लगाकर टीम को जिताने वाले अजिंक्य रहाणे आईसीसी टेस्ट रैंकिंग की टॉप-10 लिस्ट में पहुंच गए। रहाणे 5 पायदान की छलांग लगाकर छठवें नंबर पर काबिज हुए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग-डे टेस्ट में 112 रन की पारी खेली थी। टीम इंडिया के रेग्युलर कैप्टन इस टेस्ट रैंकिंग में विराट कोहली नंबर-2 पर बने हुए हैं। पहले नंबर पर न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन हैं। रहाणे टेस्ट कॅरियर में तीसरी बार छठवें नंबर पर पहुंचे हैं। उनकी बेस्ट टेस्ट रैंकिंग 5 है। यह उन्हें पिछले साल अक्टूबर में हासिल हुई थी। कोहली के पैटरनिटी लीव पर जाने के बाद रहाणे ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। उनकी कप्तानी में भारत ने मेलबर्न में जीत हासिल भी की। बल्लेबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियम्सन सबसे ऊपर हैं। उन्होंने कोहली और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ को पीछे छोड़ दिया है। विलियम्सन ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछले टेस्ट में 129 रन बनाए थे। इस पारी की वजह से उन्हें दो पायदान का फायदा हुआ। वे तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। इससे पहले उन्होंने 3 दिसंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ हेमिल्टन टेस्ट में 251 रन की पारी खेली थी। क्रउ की बॉलिंग रैंकिंग के टॉप-10 में सिर्फ दो ही भारतीय हैं। पेसर जसप्रीत बुमराह और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन। बुमराह एक पायदान की छलांग के साथ 9वें नंबर पर पहुंच गए। अश्विन को 2 स्थान का फायदा हुआ और वे नंबर-7 पर आ गए हैं। ऑस्ट्रेलियाई पेसर पैट कमिंस 1 नंबर पर मौजूद हैं। ऑलराउंडर्स के टॉप-10 में रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन शामिल हैं। जडेजा 416 पॉइंट के साथ तीसरे और अश्विन 285 अंक के साथ छठवें नंबर पर हैं। दोनों ने ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के शुरूआती दो टेस्ट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

रैंकिंग	बैट्समैन	देश	पॉइंट
1	केन विलियम्सन	न्यूजीलैंड	890
2	विराट कोहली	भारत	879
3	स्टीव स्मिथ	ऑस्ट्रेलिया	877
4	मार्नस लाबुशेन	ऑस्ट्रेलिया	850
5	बाबर आजम	पाकिस्तान	789
6	अजिंक्य रहाणे	भारत	784
7	डेविड वॉर्नर	ऑस्ट्रेलिया	777
8	बेन स्टोक्स	इंग्लैंड	760
9	जो रूट	इंग्लैंड	738
10	चेतेश्वर पुजारा	भारत	728
रैंकिंग	**बॉलर**	**देश**	**पॉइंट**
1	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	906
2	स्टुअर्ट ब्रॉड	इंग्लैंड	845
3	नील वेगनर	न्यूजीलैंड	833
4	टिम साउदी	न्यूजीलैंड	826
5	मिचेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	804
6	कगिसो रबाडा	साउथ अफ्रीका	794
7	रविचंद्रन अश्विन	भारत	793
8	जोश हेजलवुड	ऑस्ट्रेलिया	790
9	जसप्रीत बुमराह	भारत	783
10	जेम्स एंडरसन	इंग्लैंड	781
रैंकिंग	**ऑलराउंडर**	**देश**	**पॉइंट**
1	बेन स्टोक्स	इंग्लैंड	446
2	जेसन होल्डर	वेस्टइंडीज	423
3	रविंद्र जडेजा	भारत	416
4	शाकिब अल हसन	बांग्लादेश	366
5	मिचेल स्टार्क	ऑस्ट्रेलिया	301
6	रविचंद्रन अश्विन	भारत	285
7	क्रिस वोक्स	इंग्लैंड	269
8	कोलिन डी ग्रैंडहोम	न्यूजीलैंड	264
9	पैट कमिंस	ऑस्ट्रेलिया	260
10	काइले जैमिन्सन	न्यूजीलैंड	239

फॉमूर्ला-1 स्टार हैमिल्टन को सर की उपाधि:लुइस हैमिल्टन को ब्रिटिश क्वीन ने नाइटहुड से नवाजा

लंदन ■ एजेसी

ब्रिटिश फॉमूर्ला वन के स्पीड स्टार ड्राइवर लुइस हैमिल्टन को अब ह्यसरह्न की उपाधि मिल गई है। उन्हें ब्रिटेन की क्वीन एलिजाबेथ ने सर्वोच्च नागरिक सम्मान नाइटहुड से सम्मानित किया। यह सम्मान पाने वाले व्यक्ति के नाम के आगे सर लगाया जाता है। हैमिल्टन को इउउ स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर, लॉरिस वर्ल्ड स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर और जीक्यू गेम चेंजर ऑफ द ईयर के खिताब से भी नवाजा जा चुका है। हैमिल्टन यह सम्मान पाने वाले छठवें फॉमूर्ला वन ड्राइवर हैं। नाइटहुड की उपाधि से अब तक सर स्टर्लिंग मॉस, सर फ्रैंक विलियम्स, सर जैकी स्टीवर्ट सर जैक बॉथम और सर पैट्रिक हेड को सम्मानित किया जा चुका है। यह सभी दिग्गज ड्राइवर रह चुके हैं। हैमिल्टन ने इस बार लगातार चौथे साल फॉमूर्ला-वन वर्ल्ड चैम्पियनशिप जीती है।

खेल जगत ने इस साल इन पांच बड़ी हस्तियों को गंवाया

नईदिल्ली ■ एजेसी

खेल जगत के लिए 2020 साल कभी न भूलने वाला रहेगा। इस साल कई बड़े प्लेयर दुनिया को अलविदा बोल गए। फुटबॉल जगत में जहां माराडोना और रोसी दुनिया को अलविदा बोल गए तो वहीं, क्रिकेट जगत ने भी अपने एक धुरंधर को गंवा दिया।

कोबे ब्रायंट : अमरीकी बास्केटबॉल प्लेयर कोबे ब्रायंट और उनकी 13 साल की बेटी की जनवरी में लॉस एंजल्स में हैलीकॉप्टर क्रैश में मौत हो गई। क्रैश का कारण क्या था, आज तक पता नहीं चला।

डिएगो माराडोना : नवंबर में फुटबॉल जगत ने अर्जेंटीना के दिग्गज प्लेयर रहे माराडोना को खो दिया। माराडोना को उनके ब्यूनस आयर्स के घर पर हार्ट अटैक आया था। मौत से सप्ताह भर पहले ही वह ब्रेन सर्जरी करवाकर लौटे थे।

चेतन चौहान : भारतीय क्रिकेटर चेतन चौहान भी अगस्त महीने में कोरोना वायरस के कारण दुनिया छोड़ गए। चौहान क्रिकेटर होने के साथ भाजपा सरकार में मंत्री भी रहे। उन्होंने दिल्ली क्रिकेट एसोसिएशन में भी प्रबंधक की भूमिका निभाई थी।

डीन जोंस : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर, कोच, कॉमेंटेटर डीन जोंस सितंबर में हार्ट अटैक के कारण दुनिया से रुख्सत हो गए। वनडे क्रिकेट में विशेष शैली वाले डीन को ऑस्ट्रेलिया का हॉल ऑफ फेम अवॉर्ड भी मिला था।

पाउलो रोसी : इटली के दिग्गज फुटबॉलर रहे पाउलो रोसी साल का 64 की उम्र में रोसी का 9 दिसंबर को निधन हो गया। रोसी ने 1982 में फीफा वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम की ओर से 6 गोल किए थे। फाइनल में उन्होंने वेस्ट जर्मनी के खिलाफ एक गोल दागा था। इसकी बदौलत इटली 3-1 से फाइनल जीती थी। रोसी एक ही वर्ल्ड कप में गोल्डन बूट और गोल्डन बॉल जीतने वाले 3 खिलाड़ियों में से एक हैं।

मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए श्रीसंत केरल की टीम में शामिल

कोच्चि। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंद बाज एस श्रीसंत को अगले महीने शुरू होने वाले सैयद मुश्ताक अली टी20 क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए केरल की टीम में शामिल किया गया है। संजू सैमसन केरल की इस टीम के कप्तान होंगे जबकि सचिन बेबी उपकप्तान रहेंगे। श्रीसंत मैच फिक्सिंग के आरोपों में सात साल का प्रतिबंध समाप्त होने के बाद यह पहला टूनार्मेंट खेलेंगे। वहीं इससे पहले इस महीने की शुरूआत में उन्हें अलपुझा में टी20 टूनार्मेंट खेलना था जो कोरोना महामारी के कारण नहीं हो पाया था। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल में स्पॉट फिक्सिंग को लेकर श्रीसंत पर प्रतिबंध लगाया था। प्रदेश क्रिकेट बोर्ड ने दस जनवरी से मुंबई में शुरू हो रहे मुश्ताक अली ट्रॉफी टूनार्मेंट के लिये उन्हें टीम में रखा है। श्रीसंत पर लगा प्रतिबंध इस साल सितंबर में समाप्त हो गया था। -

पूर्व अंपायर ने कथित नस्लीय पक्षपात के आरोप में ईसीबी के खिलाफ किया मुकदमा

लंदन ■ एजेसी

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के खिलाफ पूर्व अंपायरों जॉन होल्डर और इस्माइल दाउद ने अपने कार्यकाल के दौरान कथित नस्लीय पक्षपात के आरोप में मुकदमा कर दिया है। दोनों ने ईसीबी पर संस्थागत नस्लवाद में लिप्त होने का आरोप लगाया और देश में देशज अल्पसंख्यक समूहों के मैच अधिकारियों की कमी की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की।

एक रिपोर्ट के अनुसार,ह्यहोल्डर ने क्रिसमस से दो दिन पहले रोजगार ट्रिब्यूनल के लंदन कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। 'हैंपशर के पूर्व क्रिकेटर होल्डर ने तीन दशक के अपने कैरियर में 11 टेस्ट और 19 वनडे में अंपायरिंग की'। रिपोर्ट के अनुसार,ह्यईसीबी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई 1983 से 2009 के बीच उसके प्रथम श्रेणी अंपायर ने की है। होल्डर को 1991 में ईसीबी के टेस्ट मैचों से हटा दिया गया था। उन्होंने इससे कुछ सप्ताह पहले ही वेस्टइंडीज के खिलाफ ओवल पर एक टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाड़ी द्वारा कथित तौर पर गेंद से छेड़खानी की शिकायत की थी।' होल्डर और पूर्व अंडर 19 क्रिकेटर दाउद ने ईसीबी से मुआवजे की मांग की है। नार्थम्पटनशर, वोर्सेस्टरशर, ग्लेमोर्गन और यार्कशर के लिये खेल चुके दाउद अंपायरिंग में कैरियर नहीं बना सके क्योंकि उन्हें पेनल में शामिल नहीं किया गया। उन्होंने कहा,ह्यमुझे कहा गया कि एक साल में पेनल में डाल दिया जायेगा लेकिन ऐसा हुआ नहीं। छह बार मुझसे जूनियर को प्रमोशन दे दिया गया। मुझे आज तक पता नहीं चला कि ऐसा क्यों किया गया। मुझे जिस तरह के उत्पीड़न और शोषण से गुजरना पड़ा, वह भयावह है।' वहीं ईसीबी के एक प्रवक्ता ने जवाब में कहा,ह्यहमें इन दावों की विस्तार से जानकारी नहीं है तो हम टिप्पणी नहीं कर सकते।

कोरोना प्रोटोकॉल के उल्लंघन के कारण सैम क्वेरी पर जुमार्ना

लंदन। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी सैम क्वेरी को अक्टूबर में सेंट पीटर्सबर्ग ओपन के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के कारण 20000 डॉलर का निलंबित जुमार्ना लगाया गया है। क्वेरी कोरोना पॉजिटिव पाये जाने के बाद निजी विमान से रूस से चले गए थे जबकि उन्हें स्थानीय अधिकारियों ने पृथकवास पर रखा था। एटीपी ने कहा कि मामले की जांच के बाद पाया गया कि क्वेरी का आचरण खेल भावना के विपरीत था। यह भी कहा गया है कि अगले छह महीने में कोरोना महामारी से जुड़े स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं करने पर यह जुमार्ना वापस ले लिया जायेगा।

एसपी ग्वालियर की नववर्ष पर अनोखी पहल

ग्वालियर पुलिस पहुंची दिवंगत पुलिसकर्मियों के घर, परिजनों की समस्याओं का किया निराकरण

ग्वालियर। आज नववर्ष पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे ने अनोखी पहल करते हुए वर्ष 2020 में दिवंगत हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों का हालचाल जानने के लिये पुलिस अधिकारियों को उनके घर भेजा। इस पहल के तहत अति0 पुलिस अधीक्षक शहर मध्य श्री पंकज पाण्डेय ने ग्वालियर मध्य क्षेत्र में निवारसत् दिवंगत पुलिसकर्मी, अति0 पुलिस अधीक्षक शहर पश्चिम श्री सत्येन्द्र सिंह तोमर ने ग्वालियर पश्चिम क्षेत्र में निवासरत् दिवंगत पुलिसकर्मी, अति. पुलिस अधीक्षक शहर पूर्व श्रीमती सुमन गुर्जर ने ग्वालियर पूर्व क्षेत्र में निवासरत् दिवंगत पुलिसकर्मी तथा अति0 पुलिस अधीक्षक देहात श्री जयराज कुबेर ने ग्वालियर ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत् दिवंगत पुलिस कर्मियों के निवास पर जाकर उनके परिजनों से भेट की तथा उन्हे नववर्ष की शुभकामनांए देते हुए उनका हालचाल जाना। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर ने स्वयं दुर्गा कालोनी पुलिस लाईन ग्वालियर में निवासरत् दिवंगत पुलिसकर्मी राजेश यादव के निवास पर पहुंचकर उनके परिजनों से भेट कर उन्हे नववर्ष की शुभकामनांए दी साथ ही चर्चा के दौरान उनके परिजनों द्वारा बताया गया कि अनुकंपा नियुक्ति का प्रकरण लंबित है, जिसका पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा दो दिवस में निराकरण किये जाने का आश्वासन दिया गया। वर्ष 2020 में ग्वालियर पुलिस में कार्यरत पुलिसकर्मी जिनका विभिन्न कारणों से देहान्त हो गया था। ऐसे पुलिस कर्मियों के परिजनों से मिलकर ग्वालियर पुलिस के अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया गया। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक अपराध/लाईन श्री विजय भदौरिया तथा रक्षित निरीक्षक ग्वालियर रंजीत सिंह भी साथ में उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देश पर ग्वालियर जिले में प्रारम्भ की गई इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस सेवा के दौरान दिवंगत हुए पुलिसकर्मियों के परिजनों का सहयोग करना है। इस पहल के तहत आज दिनांक को जिले के समस्त अति पुलिस अधीक्षकगण अपने-अपने क्षेत्र में निवासरत् दिवंगत पुलिस कर्मियों के परिजनों से मिलकर उनको नववर्ष के उपलक्ष में मिठाई भेट की तथा उनकी कुशलक्षेम जानी। इसके साथ ही उनसे पुलिस विभाग द्वारा दिवंगत पुलिसकर्मी को मिलने वाले देयकों तथा सहायता राशि के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा विभाग में लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण किये जाने का आश्वासन दिया।

एक नजर

महिलाओं, बालिकाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए सेफ सिटी कार्यक्रम

ग्वालियर सहित प्रदेश के आधा दर्जन शहरों में चल रहा है यह कार्यक्रम

ग्वालियर। प्रदेश में महिलाओं, लड़कियों और बच्चों पर विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर हिंसा और उत्पीड़न को रोकने और उन्हें सुरक्षित करने के मद्देनज़र सेफ सिटी कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी ऐसी घटनाओं की निंदा करते हुए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए है। सेफ सिटी कार्यक्रम का क्रियान्वयन ग्वालियर सहित प्रदेश के छ÷शहरों में हो रहा है। इनमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, छतरपुर व छिंदवाड़ा शामिल हैं। हाल ही में मंत्रिपरिषद द्वारा इसकी मंजूरी दी गयी है। महिला-बाल विकास इस कार्यक्रम के नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा जो राज्य एवं जिला स्तरीय गतिविधियों के नियोजन, क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाएगा। सेफ सिटी कार्यक्रम का लक्ष्य कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहरों और सार्वजनिक स्थलों को सुरक्षित रूप से विकसित करना है ताकि हर उम्र, समुदाय की लड़कियों और महिलाएं सभी प्रकार की हिंसा के भय से मुक्त होकर उनका उपयोग कर सके। शिक्षा, स्वस्थ्य, प्रशिक्षण, रोजगार जैसी बुनियादी सेवाओं तक उनकी पहुँच सुनिश्चित हो और वे सशक्त और स्वावलम्बी जीवन यापन कर सके। यह एक बहुआयामी और बहुस्तरीय कार्यक्रम है जिसमे विभिन्न शासकीय विभाग पुलिस, परिवहन, नगरीय प्रशासन एवं विकास, स्मार्ट सिटी मिशन, स्कूल, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास प्रशिक्षण, पर्यटन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के साथ ही समुदाय स्तर पर नागरिक संस्थाएं, व्यापारिक और सामाजिक संघठन, शैक्षणिक संस्थानों, समूहों तथा शौर्य दल की महिलाएं और बालिकाएं शामिल है। वर्ष 2021-22 थीम सेफ सिटी कार्यक्रम की वार्षिक थीम ÷लड़कियों और महिलाओं के प्रति सम्मानपूर्वक नज़रिये एवं व्यवहार देना तथा छेड़छाड़ मुक्त शहर का निर्माण÷ करना है। इस वर्ष सर्वप्रथम छेड़छाड़ उन्मूलन पर वृहद स्तर पर कार्य किया जायेगा। चयनित शहरों में व्यापक रूप से लड़कियों शहर के सार्वजनिक स्थलों जैसे बस स्टॉप, मोहल्ले, मार्किट, लोक परिवहन के साधनो आदि को भयमुक्त बनाने के लिए कार्य किया जायेगा। इसके तहत शहर में हॉट स्पॉट का चिन्हांकन, सी आर पी का चयन और प्रशिक्षण, जिला मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण बाल संरक्षण समिति की सहभागिता, चयनित हॉटस्पॉट पर समुदाय में संवाद कार्यक्रम एवं प्राथमिक सर्वे का कार्य किया जायेगा।

जिला स्तरीय रोजगार मेला 12 जनवरी को लगभग दो दर्जन कंपनियाँ आयेंगीं कैम्पस भर्ती करने

ग्वालियर। जिला रोजगार कार्यालय (मॉडल कैरियर सेंटर) द्वारा 12 जनवरी को जिला स्तरीय रोजगार मेला लगाया जायेगा। इस दिन यह मेला यहाँ बिरला नगर स्थित महिला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में प्रात÷ 11 बजे शुरू होगा। रोजगार मेले में लगभग दो दर्जन कंपनियाँ कैम्पस भर्ती करने आयेंगीं। उप संचालक जिला रोजगार कार्यालय श्रीमती प्रियंका कुलश्रेष्ठ ने बताया कि एसबीआई लाईफ इंश्योरेंस ग्वालियर, नव भारत फर्टिलाइजर लिमिटेड भोपाल, डैक्कन टेक्नोसेक्िटी एण्ड यूटिलिटी सर्विसेज प्रा.लि. इंदौर, ईगल सिक्यूरिटी सर्विस शिवपुरी, स्टार हैल्थ इंश्योरेंस ग्वालियर एवं एलआईसी ग्वालियर द्वारा रोजगार मेले में आने की सहमति दी जा चुकी है। इसके अलावा अन्य कंपनियों से भी सतत संपर्क जारी है। निजी कंपनियों में नौकरी करने के इच्छुक आवेदकों से रोजगार मेले में शैक्षणिक योग्यता के मुल प्रमाण-पत्र, आधारकार्ड, पासपोर्ट साईज के फोटोग्राफ लेकर आने की अपील की गई है। साथ ही नियोजक एवं कौशल प्रदाता संस्थाओं को भी इस मेले में जिला रोजगार कार्यालय द्वारा खुला आमंत्रण दिया गया है।

सिंधिया के जन्म दिवस पर 50 पाउंड का केक लामा बेकरी ने किया तैयार

ग्वालियर । पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया का 50 वां जन्म दिवस आज उत्साहपूर्वक मनाया गया । इस अवसर पर सिंधिया समर्थकों ने उनका 50 पाउंड का केक भी काटा। यह केके लामा बेकरी पाटनकर बाजार ने तैयार किया था। युद्ध सात्विक केके पाइनापल फ्लैवर में बनाया गया था और उस पर ज्योतिरादित्य सिंधिया के 51 वे वर्ष में प्रवेश करने पर बधाई संदेश भी लिखा था। 50 पाउंड का केक बनाने वाले लामा बेकरी के संचालक रोमी लामा का कहना था कि जन-जन के प्रिय सिंधिया जी का जन्म दिवस केक तैयार करना हमारे लिये गौरव की बात है। ज्ञातव्य है कि लामा बेकरी के संचालक रोमी लामा को केक बनाने में महारथ हासिल है। वह प्रसिद्ध हस्तियों के केक उनके जन्म दिवस पर बनाते हैं। सिंधिया जी के जन्म दिवस पर बनाया केक सांसद विवेक शेजवलकर ,पूर्व विधायक रमेश अग्रवाल व उनके सैकडों साथियों ने काटा। बाद में केक का वितरण भी किया गया।

महिला सुरक्षा के लिये केवल कानून पर्याप्त नहीं

समाज के दृष्टिकोंण में भी बदलाव जरूरीः ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर

सार्वजनिक परिवहन में महिला सुरक्षा विषय पर कार्यशाला सम्पन्न

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि महिला सुरक्षा के लिये केवल कानून ही पर्याप्त नहीं है बल्कि समाज के दृष्टिकोंण में भी बदलाव आवश्यक है। महिलाओं की सुरक्षा के लिये हमें कड़े कानूनों का पालन सुनिश्चित करने के साथ-साथ समाज की भागीदारी भी सुनिश्चित करनी होगी। श्री तोमर ने सार्वजनिक परिवहन में महिला सुरक्षा विषय पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही है। कार्यशाला में परिवहन आयुक्त श्री मुकेश जैन, अपर परिवहन आयुक्त श्री अरविंद सक्सेना, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी उपस्थित थे।

परिवहन विभाग द्वारा शुक्रवार को भारतीय पर्यटन एवं प्रबंधन संस्थान सिटी सेंटर में चालक एवं परिचालकों के लिये आयोजित कार्यशाला में सार्वजनिक परिवहन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चालक एवं परिचालकों को भी सम्मानित किया गया। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि समाज में अच्छा कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करना होगा और समाज को जवाबदेह भी बनना होगा। महिला सुरक्षा के लिये सरकार ने कानून तो बनाए हैं। कानून के पालन के साथ-साथ हमें अपने और अपने समाज के दृष्टिकोंण को भी बदलने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा सार्वजनिक परिवहन में महिला सुरक्षा विषय पर जो कार्यशाला का आयोजन किया गया है यह एक सराहनीय पहल है। इस तरह की कार्यशालायें पूरे प्रदेश में आयोजित हों तथा समाज को महिला सुरक्षा के कार्य में जोड़ने का प्रयास किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि महिला सुरक्षा के मामले में अगर कोई व्यक्ति दोषी पाया जाता है तो उसके विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाना चाहिए। कार्यक्रम में परिवहन आयुक्त श्री मुकेश जैन ने महिला सुरक्षा के संबंध में कहा कि हम जैसा व्यवहार करेंगे, वैसा ही व्यवहार हमें समाज की ओर से मिलेगा। हम सबको अपने व्यवहार में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। हमारा जीवन भी ईको सिस्टम जैसा है। हम जो समाज को देते हैं वहीं लौटकर हमें मिलता है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिये कड़े से कड़े कानून बनाए गए हैं। लेकिन केवल कानून के भरोसे ही महिला सुरक्षा संभव नहीं है। समाज की सक्रिय भागीदारी और सकारात्मक सोच इसके लिये नितांत आवश्यक है। परिवहन आयुक्त श्री मुकेश जैन ने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा चालक एवं परिचालकों के लिये यह कार्यशाला आयोजित की गई है। इसके माध्यम से लोक परिवहन में महिला सुरक्षा को और कैसे बेहतर बनाया जा सकता है उस पर कार्य किया जा रहा है। इस तरह की कार्यशालायें प्रदेश के अन्य जिलों में भी आयोजित की जायेंगीं। सार्वजनिक परिवहन में कार्य करने वाले चालकों और परिचालिकाओं को आवश्यक जानकारी और सुरक्षा के संबंध में अपनाए जाने वाले विभिन्न पहलुओं को भी बताया जायेगा। परिवहन आयुक्त श्री जैन ने कहा कि लोक परिवहन में महिला सुरक्षा के लिये आधुनिक तकनीक का उपयोग विभाग द्वारा किया जा रहा है। इससे इमरजेंसी रिस्पोंस सिस्टम लगाने, लोक परिवहन में कैमरे लगाने के साथ-साथ बस स्टॉपों पर भी कैमरे लगाए जा रहे हैं। इसके साथ ही अन्य तकनीकों से भी सुरक्षा के संबंध में कार्रवाईयाँ की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन सबके बाद भी हमें समाज के सहयोग की नितांत आवश्यकता है। कार्यशाला में अपर परिवहन आयुक्त श्री अरविंद सक्सेना ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा के लिये सरकारों ने कड़े से कड़े कानून बनाए हैं। इससे बदलाव भी आया है, लेकिन कानून के साथ-साथ मानसिक सोच में बदलाव लाने के लिये अभी और प्रयास जरूरी है। पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी ने कहा कि महिला सुरक्षा के लिये पुलिस विभाग द्वारा पहले से कार्य किया जा रहा है। नए वर्ष में सार्वजनिक परिवहन में महिला सुरक्षा के मुद्दे को हम अपने एजेण्डे में सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और इस पर वर्ष भर कार्य करेंगे। परिवहन विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यशाला बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर रखी गई है। इस विषय पर शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज के विभिन्न वर्गों को भी जुड़ना जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चालकों और परिचालिकाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ बेटी पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में सहायक परिवहन अधिकारी श्रीमती रिंकू शर्मा ने कार्यशाला के उद्देश्य के साथ-साथ अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक संचालक शिक्षा श्री एस बी ओझा ने किया।

सांसद श्री शेजवलकर ने एयरपोर्ट पर नई टर्मिनल बिल्डिंग बनवाने के सिलसिले में

एयरपोर्ट के अधिकारियों के साथ की बैठक

ग्वालियर। ग्वालियर एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग बनाने के लिये विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस कड़ी में सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने नए वर्ष के पहले दिन ग्वालियर एयरपोर्ट एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक की। ग्वालियर एयरपोर्ट पर चल रहे विकास कार्य और बढती पैसेजर संख्या को देखते हुये एयरपोर्ट के विस्तार पर बैठक में विस्तृत चर्चा हुई। ज्ञात हो वर्तमान में कोलकाता, बैंगलोर, हैदरबाद और अहमदाबाद के लिये हवाई सेवा है। लेकिन जगह कम होने से अन्य जगहों के लिये हवाई सेवा शुरू नहीं हो पा रही है। इसके लिये नई टर्मिनल बिल्डिंग की जरूरत है। इसके लिये सांसद श्री शेजवलकर ने बैठक में भरोसा दिलाया कि वे इस संबंध में केन्द्रीय नागरिक उड्यन मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी को पत्र लिखेंगे। साथ ही उनसे व्यक्तिगत रूप से भी संपर्क कर यह आग्रह करेंगे कि एयरपोर्ट अथॉरिटी की प्लानिंग डाईरेक्ट्रेट की टीम को ग्वालियर भेंजे और सर्वे कराये कि नई टर्मिनल बिल्डिंग के लिये कितनी भूमि की आवश्यकता है। इसके बाद राज्य शासन से भूमि आवंटन कराने की कार्रवाई की जायेगी।

बैठक में जानकारी दी गई कि मुम्बई के लिये बड़ा एयर क्राफ्ट चलेगा, जिसकी क्षमता 180 पैंसेजर की होगी। इसके लिए एयर फोर्स और एयरपोर्ट के मध्य का गेट चौडा करना होगा । इस संबंध मंर एयर फ़ोर्स से बात चल रही है। बैठक के दौरान एअरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि ग्वालियर एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ रही है। साल 2018-2019 यात्री संख्या 21714 थी जो 2019-2020 में 132264 हो गई। 2018-2019 में 614 फ्लाइट का आवागमन हुआ वहीं 2019-2020 में 2842 फ्लाईट आईं । बैठक के दौरान पुणे हवाई सेवा शुरू करने पर यह समस्या बताई गई कि पुणे में रात्रि में फ़्लाइट ऑपरेशन होता है जबकि ग्वालियर एयरपोर्ट पर रात्रि में फ्लाइट ऑपरेशन की कोई व्यवस्था नहीं है। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि रात्रि में फलाइट ऑपरेशन के लिये नागरिक उड्यन मंत्री से बात करेंगे। बैठक में एडीएम श्री किशोर कन्याल, ग्वालियर एयरपोर्ट अथॉरिटीके डायरेक्टर श्री बसीम अहमद अंसारी और भाजपा जिला अध्यक्ष श्री कमल माखीजानी एवं अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित थे।

शासकीय कार्यालयों में हुआ राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन

ग्वालियर। शासकीय कार्यालयों में एक जनवरी को राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का सामूहिक गायन हुआ। राज्य शासन के आदेश अनुसार हर माह के पहले कार्य दिवस पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रगान जन-गण-मन एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के गायन के बाद शासकीय काम की शुरूआत की जाती है। इसी कड़ी में नव वर्ष के पहले दिन राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत का गायन हुआ। यहाँ संभाग आयुक्त कार्यालय मोतीमहल परिसर में संभागीय उपायुक्त श्री आर पी भारती सहित विभागीय अधिकारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् एवं राष्ट्रीय गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन किया गया। इसी तरह कलेक्ट्रेट में भी शासकीय सेवकों द्वारा राष्ट्रीय गान एवं राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन किया गया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दी सांसद श्री सिंधिया को बधाई

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यसभा सदस्य श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनकी जन्म वर्षगांठ पर बधाई दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री सिंधिया के उत्तम स्वास्थ्य और यशस्वी जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट करके भी श्री सिंधिया को बधाई दी है।

|| श्री गणेशाय नमः ||
रेरा रजिस्टर्ड फर्म
सौम्या प्रोपर्टी डीलर
आवासीय, कॉमर्शियल, इण्डस्ट्रीयल, एग्रीकल्चर भूमी खरीदने, बेचने व रेन्ट (किराये) पर लेने, निवेश के लिये एवं प्रोपर्टी व्यवसाय से जुड़ने के लिये भी सम्पर्क करें :-
9301759475, 9713253992
ऑफिस : शॉप नं. 3-4, तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा.

PTV NEWS INDIA प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थिति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478